News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अक्टूबर, 2020

दिग्विजयनाथ एल0टी0 प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा "महात्मा गॉधी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

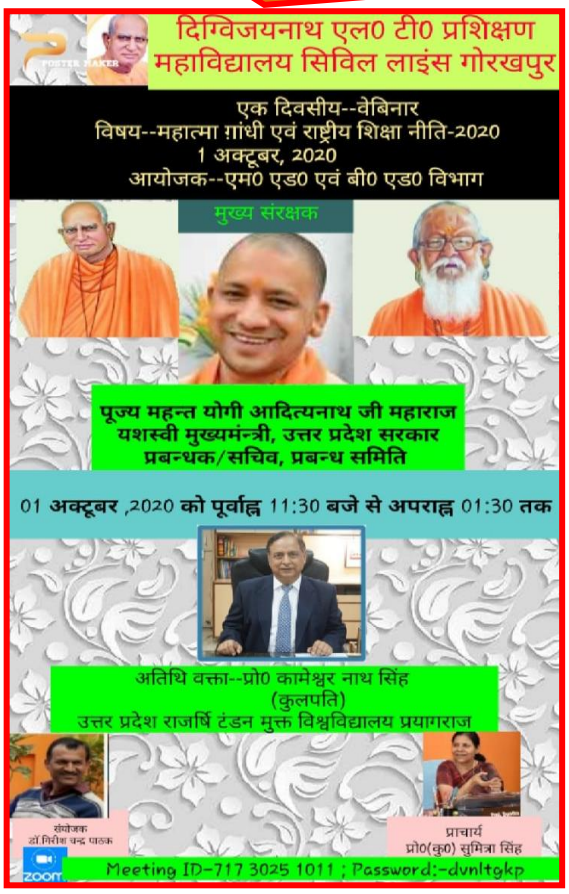

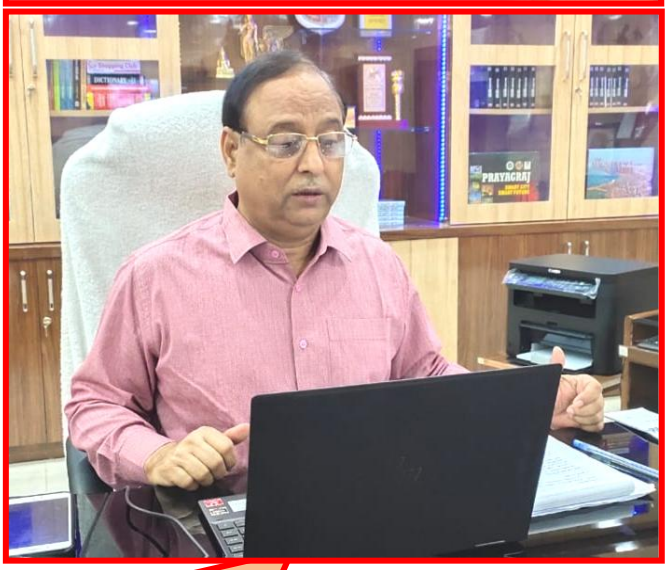

कार्यक्रम के

अतिथि वक्ता

विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

02 अक्टूबर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

गांधी जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। कोविड-19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो पीपी दुबे डॉक्टर एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डॉ रुचि बाजपेई एवं अन्य शिक्षक,अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

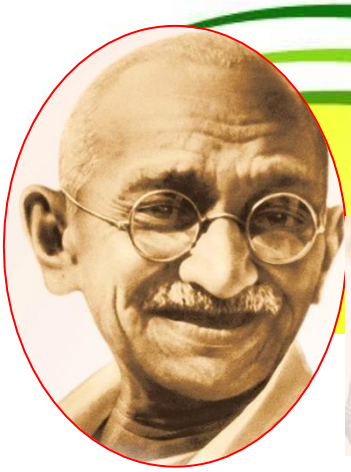

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

> "एक राष्ट्र की संस्कृति, उसमें रहने वाले लोगों के दिलों में और आत्मा में रहती है।"
>
> - महात्मा गांधी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि समारोह

गांधी जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

गांधी जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

"आपकी मान्यताएं आपके विचार बन जाते हैं, आपके विचार आपके शब्द बन जाते हैं, आपके शब्द आपके कार्य बन जाते हैं, आपके कार्य आपकी आदत बन जाते हैं, आपकी आदतें आपके मूल्य बन जाते हैं, आपके मूल्य आपकी नियति बन जाती है।"

---------- **महात्मा गांधी**

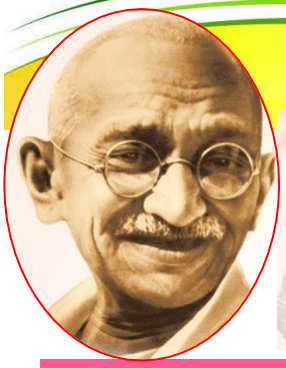

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

गांधी जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

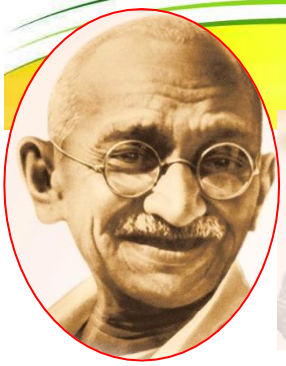

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

गांधी जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

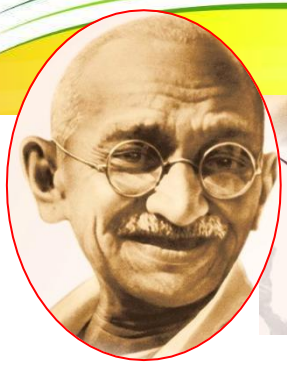

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया। प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

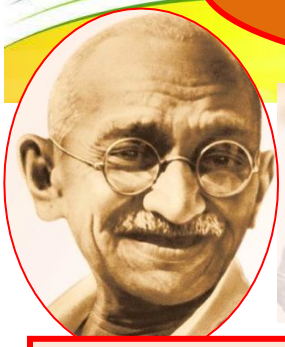

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र आगरा में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में उपस्थित क्षेत्रीय समन्वयक रेखा सिंह और सदस्यों ने महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री जी को माल्यार्पण करते हुए नमन किया साथ ही सभी को महात्मा गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों पर चलने का आग्रह किया।

गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण।

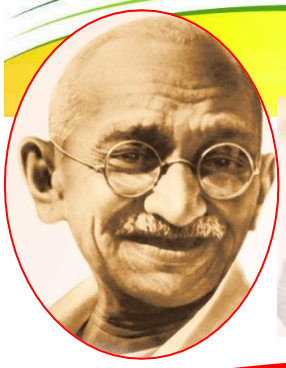

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक श्री प्रवीन कुमार एवं कर्मचारीगण।

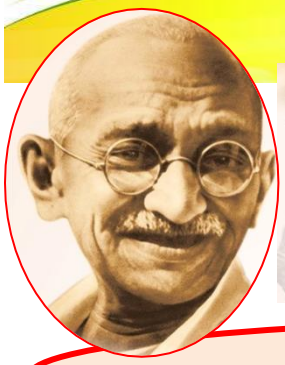

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

दीप प्रज्ज्वलन तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए अतिथि, क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह एवं कर्मचारीगण।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली में आज 02 अक्टूबर को महात्मॉ गांधी की 151 वीं जयन्ती तथा लाल बहादुर शास्त्री की 116 वीं जयन्ती सादगी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रसायन विभाग बरेली कालेज के पूर्व विभागाध्यक्ष डा0 एन0 के0 अग्रवाल, डा0 एस0 के0 शर्मा तथा डा0 ऐ0 के0 अग्रवाल ने महात्मा गॉधी तथा भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की फोटो पर माल्यार्पण किया। क्षेत्रीय समन्वयक डा0 आर0 बी0 सिंह ने दीप प्रज्वल्लन किया तथा सभी कर्मचारियों ने पुष्प अर्पण किये तथा मिष्ठान का वितरण किया गया।

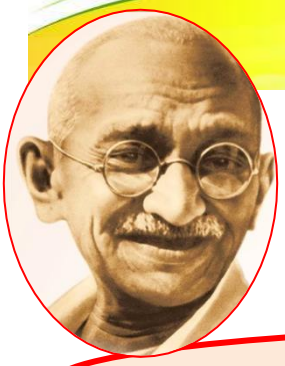

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

गांधी जी एवं शास्त्री जी

के

चित्र पर

पुष्पार्पण करते हुए

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के कर्मचारीगण।

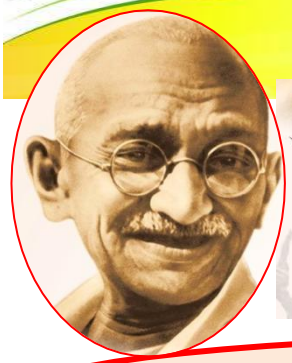

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में गांधी जयन्ती के अवसर पर महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, अवध विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, अवध विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण

गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर

गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के कर्मचारी श्री अभिषेक सिंह।

क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी

गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 एस.के. सिंह एवं कर्मचारीग।

हिन्दी दैनिक
हरबात
आपके साथ
अंक : 255 फतेहपुर, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ : 8

मुक्त विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया।

प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।कोविड-19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो पीपी दुबे डॉक्टर एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डॉ रुचि बाजपेई, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक,अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

वर्ष : 6
अंक : 344
लखनऊ, शनिवार, 03 अक्टूबर 2020 पृष्ठ : 4
मूल्य 1 रुपया
आवाज़-ए-आम
जन तपिस
जन जन की आवाज़
UPHIN/2014/62176

मुक्त विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

सुधीर सिन्हा प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया। प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।कोविड–19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो पीपी दुबे डॉक्टर एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डॉ रुचि बाजपेई, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक,अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
प्रकाशन का 74वां वर्ष
लखनऊ, शनिवार, 3 अक्टूबर 2020 ई.
आश्विन कृष्ण पक्ष 2
सं. 2077 वि.
स्वतंत्र भारत
epaper: swatantrabharat.net
वर्ष 74 अंक 48 नगर संस्करण* पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

आज गांधी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता: प्रो.सिंह

मुविवि, माधव ज्ञान केन्द्र, रानी रेवती देवी इंटर कालेज में धूमधाम से मनाया गया गांधी व शास्त्री की जयंती

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया। प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे। कोविड-19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो.पीपी दुबे, डा. एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डा. रुचि बाजपेई, डा. प्रभात चंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

गांधी एवं शास्त्री जयन्ती के उपलक्ष्य में माधव ज्ञान केन्द्र इण्टर कालेज खरकोनी नैनी प्रयागराज में प्रातः ध्वजारोहण विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार त्रिपाठी द्वारा सम्पादित हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के माधव सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डी.पी. सिंह 'माँ शारदा कॉन्वेन्ट स्कूल कुलभई करछना प्रयागराज के प्रधानाचार्य ने किया। आये हुए अतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने कराया। उक्त अवसर पर विद्यालय के आचार्य राज कुमार ने अपने उद्बोधन में गांधी एवं शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेने तथा अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव के कई प्रसंग सुनाये। आचार्य शरद चन्द्र पाल ने अपने उद्बोधन में बताया कि विपरीत परिस्थितियों में भी किस प्रकार बापू एवं शास्त्री जी ने अपने प्राण प्रण से हमें यह आजादी दिलाई। कार्यक्रम के अध्यक्ष डी.पी. सिंह ने शास्त्री की लगन और बापू जी के अडिग दृढ़ विश्वासी होने के कई प्रसंग रखे। कार्यक्रम का संचालन जनार्दन प्रसाद ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य कर्मचारी एवं कुछ अभिभावकों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को प्रभावी बनाया। कोरोना महामारी के कारण छात्रों की कमी खल रही थी। कार्यक्रम के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन पूर्ण रूपेण किया गया।

रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कालेज, राजापुर प्रयागराज मे प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे की अध्यक्षता में गूगल मीट, यूट्यूब एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तथा छात्र संसद के तीनों घटक शिशु भारती, बालभारती एवं कन्या भारती का शपथ ग्रहण समारोह सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया, तत्पश्चात तीनों महापुरुषों एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन पूर्व प्राचार्य हंडिया डिग्री कालेज एवं वर्तमान में विद्या भारती के अंतर्गत भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के मंत्री एवं विद्यालय के अध्यक्ष डा.रघुराज सिंह ने कहा कि इस संक्रमण काल में विद्या भारती के तत्वावधान में चल रहे इस विद्यालय का जो कार्य करने की पद्धति है वह अद्वितीय एवं अनुकरणीय है, उन्होंने गांधी एवं शास्त्री के बारे में बताते हुए छात्र संसद के बारे में कहा कि छात्र संसद कैसी हो और विद्यालय स्तर पर किस प्रकार कार्य करें तथा कार्यों का क्रियान्वयन कैसा हो इस पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे ने कहा कि महात्मा गांधी जी का जन्मदिन विश्व अहिंसा दिवस के रूप मे मनाया जाता है और हम सभी लोगों को संकल्प लेना चाहिए कि मानव विकास की प्रक्रिया में हम सभी लोग एक दूसरे के सहयोगी बने इस पर विचार करना चाहिए तथा शास्त्री जी की सादगी एवं दृढ़ निश्चय को भी अपने जीवन में उतारना चाहिए।

दैनिक
भोपाल-नागपुर-जयपुर से प्रकाशित
www.khabromehamarashahar.com
खबरों में हमारा शहर
वर्ष- 8 अंक-174 भोपाल, शनिवार 03 अक्टूबर 2020 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया। प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।कोविड-19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढी

मेरठ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि एक बार ओर बढ़ाते हुए 15 अक्टूबर कर दी। मेरठ क्षेत्रीय समन्वयक डा0 पूनम गर्ग ने प्रवेश सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए सभी सामान्य पाठ्यक्रमों में प्रथम द्वितीय व तृतीय वर्ष मे 15 अक्टूबर तक प्रवेश ले सकते है।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार , 05 अक्टूबर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08
हिन्दी दैनिक
दैनिक कर्मठ

मुक्त विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया।

प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।कोविड–19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो पीपी दुबे डॉक्टर एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डॉ रुचि बाजपेई, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक,अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

अमृत कलश टाइम्स
इलाहाबाद शनिवार 03 अक्टूबर 2020

मुक्त विवि में गांधी को अर्पित की गई पुष्पांजलि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में पुष्पांजलि समारोह के रूप में मनाई गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज देश को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने गांधी दर्शन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय के लिए उपयोगी बताया। प्रोफेसर सिंह ने लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वह भारतीय राजनीति के संत पुरुष थे।कोविड–19 तथा विश्वव्यापी कोरोना महामारी के इस दौर में विश्व विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा गांधी जी एवं शास्त्री जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह प्रो पीपी दुबे डॉक्टर एस कुमार, इंजी. सुखराम मथुरिया, डॉ रुचि बाजपेई, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक,अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश की अन्तिम तिथि 15 तक बढ़ी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के लिए स्नातक,परास्नातक, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि कुलपति प्रो. केएन सिंह के निर्देश पर बढ़ाकर 15 अक्तूबर कर दी गई है। प्रवेश के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अध्ययन केंद्रों का चुनाव करते हुए प्रवेश ले सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय से एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अब प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सर्कुलर सत्र 2020-21 में एमबीए /एमसीए प्रवेश परीक्षा का आयोजन ना कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एमबीए/एमसीए में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि 15 अक्तूबर तक विस्तारित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रवेश सम्बन्धी जानकारी के लिए राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से संचालित अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज जनौरा से संपर्क किया जा सकता है।

एमबीए व एमसीए में अब सीधे हो सकेगा प्रवेश

जासं, बस्ती : उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रवेश सत्र जुलाई 2020 - 21 के स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 15 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अध्ययन केंद्रों का चुनाव करते हुए आनलाइन आवेदन कर प्रवेश ले सकते हैं। केंद्र समन्वयक बस्ती डा. शिवेंद्र मोहन पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय से एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अब प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी।

विभिन्न कक्षाओं और पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तिथि बढ़ी

अयोध्या।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा ,पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट कोर्स एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि कुलपति प्रो.के.एन. सिंह के निर्देश पर बढ़ाकर 15 अक्टूबर कर दी गई है। प्रवेश हेतु छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन के माध्यम से अध्ययन केंद्रों का चुनाव करते हुए प्रवेश ले सकते हैं।

विश्वविद्यालय से एमबीए और एमसीए में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अब प्रवेश परीक्षा नहीं देनी पड़ेगी। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सर्कुलर तथा विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेशानुसार सत्र 2020-21 में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा का आयोजन न कर निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। एमबीए/एमसीए में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक विस्तारित कर दिया गया है। प्रवेश हेतु किसी भी समस्या या जानकारी के लिए विश्वविद्यालय के फैजाबाद-अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र, बी. एन.एस. गर्ल्स डिग्री कॉलेज, जनौरा बाईपास, परिक्रमा मार्ग से संपर्क कर सकते हैं। उक्त जानकारी डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक, अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र ने दी है।

यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि 15 तक बढ़ी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देश पर प्रवेश की तिथि 3 अक्टूबर से वढ़ाकर 15 अक्टूबर कर दी गयी है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. एसके सिंह ने वताया कि विश्वविद्यालय वर्तमान कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों को यह सुविधा प्रदान की गयी है। ताकि वह विभिन्न प्रकार के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकें। श्री सिंह ने वताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकार के तकनिकी शिक्षा प्रदान की जा रही है ताकि लोगों को रोजगार मिल सके।

मेरिट पर होगा एमबीए व एमसीए में प्रवेश

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह ने कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए प्रवेश परीक्षाओं को रद कर दिया है जिसके चलते एमबीए, एमसीए पाठ्यक्रम में सीधी भर्ती होगी। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. एसके सिंह ने वताया कि इन दोनो पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा। प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। कुलपति के निर्देश पर पहले ही सभी विषयों में प्रवेश की तिथि 15 अक्टूबर कर दी गयी है। डॉ. एसके सिंह ने वताया कि योगा में सर्टिफिकेट कोर्स के साथ डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा तथा एमए इ न योग विषय के जिन विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा छूट गयी थी उन सभी को विश्वविद्यालय ने अवसर प्रदान करते हुए 13 अक्टूबर को तथा एमएलआईएस की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 12 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय पर आयोजित की जायेगी। उन्होने वताया कि कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कोविड 19 से संवंधित तीन माह का जागरुकता प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारंभ किया है इसमें भी 15 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है।

राजर्षि टण्डन में 15 तक सीधे प्रवेश का मौका

वाराणसी (जनवार्ता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र- छात्राओं को एक और अवसर दिया जा रहा है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. एस. के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.एन सिंह ने कोविड-19 की वजह से एमबीए और एमसीए जैसे व्यावसायिक शिक्षा में भी बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे मेरिट के आधार पर प्रवेश देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कोविड 19 से सम्बंधित 3 माह का जागरूकता प्रमाण पत्र कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तय की गई है।

प्रवेश की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ी

नोएडा। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में सत्र 2020-21 में प्रवेश की अंतिम तिथि एक बार फिर 3 से बढ़ाकर 15 अक्तूबर कर दी गई है। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि कुलपति के आदेशानुसार सभी सामान्य पाठ्यक्रमों के पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in और वेब लिंक http://admission.onlineuprtou.in/ पर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में एमबीए/एमसीए 2020-21 में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 15 अक्तूबर बढ़ा दी गई है। ब्यूरो

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढी

मेरठ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश तिथि एक बार ओर बढ़ाते हुए 15 अक्टूबर कर दी । मेरठ क्षेत्रीय समन्वयक डा0 पूनम गर्ग ने प्रवेश सम्बन्धी जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन प्रयागराज की प्रवेश तिथि एक बार फिर बढा दी गयी है अब छात्र-छात्राए सभी सामान्य पाठ्यक्रमों में प्रथम द्वितीय व तृतीय वर्ष मे

15 अक्टूबर तक प्रवेश ले सकते है।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में १५ तक सीधे प्रवेश का मौका

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र-छात्राओं को एक और अवसर दिया जा रहा है। वाराणसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉक्टर एस. के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर के.एन सिंह ने कोविड-१९ की वजह से एमबीए और एमसीए जैसे व्यावसायिक शिक्षा में भी बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे मेरिट के आधार पर प्रवेश देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कोविड १९ से सम्बंधित तीन माह का जागरूकता प्रमाण पत्र कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में पंजीकरण की अंतिम तिथि १५ अक्तूबर २०२० तय की गई है।

बॉयस ऑफ लखनऊ | 3
लखनऊ,बुधवार 07 अक्टूबर 2020
voiceoflucknow@gmail.com

राजर्षि मुक्त विवि में 13 को प्रयोगात्मक परीक्षा

लखनऊ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा जून 2020 के योग विषय सीसीवाई, डीवाई ओ और पीजीडीवाई ओ के वे सभी परीक्षार्थी, जो किन्ही कारणों से प्रायोगिक परीक्षा देने से वंचित रह गए हों। उन्हें सूचित किया जाता है कि वे सभी परीक्षार्थी 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से अपने क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित प्रायोगिक परीक्षा में प्रतिभाग कर सकते है। इसकी जानकारी क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ. नीराजंलि सिन्हा ने दी।

lucknow.amarujala.com
my city अमर उजाला
मंगलवार • 06.10.2020
5

मुक्त विवि के छूटे प्रैक्टिकल 13 को

लखनऊ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा जून 2020 के योग विषय सीसीवाई, डीवाईओ व पीजी डीवाईओ के जो परीक्षार्थी किन्हीं कारणों से प्रायोगिक परीक्षा देने से वंचित रह गए हैं। उनके लिए 13 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से फिर से प्रैक्टिकल का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थी अपने क्षेत्रीय केंद्र पर आयोजित प्रायोगिक परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

योगा कोर्स की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 अक्टूबर को

अमृत विचार, बरेली

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बरेली क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक डा. आरबी सिंह ने बताया कि सर्टिफिकेट कोर्स इन योगा, डिप्लोमा कोर्स इन योगा तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा के छात्रों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं छूट गई थीं। प्रयोगात्मक परीक्षाओं से वंचित रहने वाले छात्रों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 अक्टूबर को 11 बजे क्षेत्रीय कार्यालय बरेली में होगीं।

एमबीए, एमसीए में 15 तक लें प्रवेश : क्षेत्रीय समन्वयक ने यह भी बताया कि महर्षि राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ एमबीए, एमसीए में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2020 को कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद प्रवेश नहीं किए जाएंगे।

कोविड-19 से संबंधित नया जागरूकता कार्यक्रम शुरू

डा. आरबी सिंह ने यह भी बताया कि इस वर्ष एक नया जागरूकता कार्यक्रम कोविड-19 शुरू किया गया है। यह तीन माह का पाठ्यक्रम है। इसमें केवल अधिन्यास जमा करना है तथा कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी।

दैनिक जागरण

Bareilly, Wednesday, 7 October 2020

inext

राजर्षि के छूटे प्रैक्टिकल 13 को

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (6 Oct): यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के ससीवाई, डीवाईओ तथा पीजीडीवाईओ के स्टूडेंट्स की छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अक्टूबर को सुबह दस बजे क्षेत्रीय ऑफिस बरेली में होगी. विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ एमसीए, एमबीए में प्रवेश लेने के लिए 15 अक्टूबर लास्ट डेट कर दी गई है. इस वर्ष एक नया जागरूकता कार्यक्रम कोविड-19 को भी शुरू किया गया है. यह तीन माह का पाठ्यक्रम है इसमें केवल अध्ययन करना है कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी. यह जानकारी क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने दी.

---

2 दैनिक जागरण, Lucknow, 9 October 2020

Let us alwa

राजर्षि टंडन में अब 15 तक एडमिशन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में नए सेशन में एडमिशन की लास्ट डेट 15 अक्टूबर कर दी गई है. वीसी के आदेश पर यह निर्णय लिया गया है. यूनिवर्सिटी के एडमिशन पोर्टल पर जाकर स्टूडेंट्स फर्स्ट, सेकंड और थर्ड ईयर में डायरेक्ट एडमिशन ले सकते हैं. यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदेश में 1088 सेंटर्स पर 105 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं.

नई दिल्ली उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड से प्रकाशित

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज, गुरुवार 08 अक्टूबर 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2020 तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेष्वर नाथ सिंह ने लिया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-19 विष्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विष्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेष के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

पायनियर

RNI NO. UPHIN/2010/36547

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश प्रभारी डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड 19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज वाराणसी गोरखपुर अयोध्या झांसी कानपुर आगरा मेरठ आजमगढ़ लखनऊ बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आज
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
प्रयागराज, गुरुवार, ८ अक्टूबर, २०२०

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड की काउंसलिंग १२ से

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र २०२०-२१ की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग १२ अक्टूबर से प्रारंभ होगी। प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग १२ से १४ अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या २०२ में होगी। मीडिया प्रभारी डा. प्रभातचंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है।

सत्य की राह पर समर्पित हिन्दी दैनिक-
संगम प्रवाह
प्रयागराज एवं वाराणसी से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-13, अंक- 257 | प्रातः संस्करण | प्रयागराज, गुरुवार, 08 अक्टूबर 2020 | E-Mail:- sangamprawah@gmail.com | पृष्ठ-6, मूल्य-2.00 रुपये

मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

प्रयागराज, 07 अक्टूबर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निणय्य प्रदेश के विभिनन केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है।

यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। इसमें इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

राजर्षि टंडन में 15 तक करें आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है।

क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. एसके सिंह ने बताया कि सर्टिफिकेट कोर्स इन योगा, डिप्लोमा इन योगा, पीजी डिप्लोमा इन योगा के साथ ही में योग विषय में जिन छात्रों के प्रैक्टिकल छूट गए थे, उन्हें एक मौका दिया गया है। 13 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही एमबीए और एमसीए में इस बार प्रवेश परीक्षा कराकर विश्वविद्यालय ने मेरिट के आधार पर प्रवेश लेने का निर्णय लिया है। इसके लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है।

प्रयागराज, गुरुवार, 8 अक्टूबर, 2020
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय प्रदेश के विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। इसमें इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, गुरुवार, 08 अक्टूबर 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020–21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर2020 तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड–19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड–19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020–21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

हिन्दी दैनिक

हरबात

आपके साथ

अंक : 260 फतेहपुर, गुरूवार, 08 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ : 8

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

हरबात संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर2020 तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 11 अंक : 189, प्रयागराज, गुरुवार 8 अक्टूबर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 अक्टूबर तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय प्रदेश के विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है।

यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। इसमें इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

छूटी हुई योग-प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अक्टूबर से होंगी

आयोजन

नोएडा|संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के योग में छोटी प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 अक्टूबर से होंगी।नोएडा अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत पीजीडीवाईओ, डीवाईओ तथा सीसीवाई(योग) के जिन परीक्षार्थियों की परीक्षा सत्र जून 2020 की प्रयोगात्मक परीक्षा किन्हीं कारणवश छूट गयी थी , मुक्त विश्वविद्यालय ने उनको प्रयोगात्मक परीक्षा देने का एक और अवसर दिया है।

अब ऐसे परीक्षार्थियों की योग-प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अक्टूबर, प्रात 10 बजे क्षेत्रीय केन्द्र सेक्टर-62 में

नोएडा में रहेगा केंद्र

डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा और गाजियाबाद के अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत सभी छात्र-छात्राओं की एमएलआईएस की प्रयोगात्मक परीक्षा 12 अक्टूबर को होगी। सभी परीक्षाएं नोएडा केंद्र में होंगी। छात्र-छात्राएं इस संबंध में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं।

आयोजित होगी। नोएडा क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि योग कार्यक्रम में प्रवेशित जिन पूर्व छात्रों की अपने निर्धारित परीक्षा-सत्र में प्रायोगिक परीक्षा छूट गयी थी, वे सभी विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर बैक पेपर परीक्षा का ऑनलाइन फॉर्म भरकर 13 अक्टूबर को संपन्न होने वाली योग-प्रयोगात्मक परीक्षा दे सकते हैं।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 06:00 बजे सूर्यास्त : 05:49 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 296 | प्रयागराज, गुरुवार 08 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 तक

वरिष्ठ संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। एक अन्य सूचना के अनुसार सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

स्वतंत्र भारत

प्रकाशन का 74वां वर्ष

मुविवि में ऑनलाइन प्रवेश अब १५ अक्टूबर तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई २०२०-२१ की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि १५ अक्टूबर२०२० तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कोविड-१६ विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी १२ क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले १०८८ अध्ययन केंद्रों पर लगभग १०५ कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विवि ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकाम, एमए, एमएससी, एमकाम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-१६ आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

दैनिक जागरण

15 तक करा सकेंगे यूपीआरटीओयू में ऑनलाइन एडमिशन

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (7 Oct): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए लास्ट डेट को बढ़ा दिया है. स्टूडेंट्स के पास अब 15 अक्टूबर तक का मौका रहेगा. यूनिवर्सिटी की ओर से यह निर्णय केंद्र समन्वयकों एवं स्टूडेंट्स की मांग को देखते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह द्वारा लिया गया है. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर स्टूडेंट्स फस्ट, सेकेंड व थर्ड इयर में सीधे प्रवेश ले सकते है. प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि प्रदेश के सभी 12 सेंटर्स पर प्रवेश प्रक्रिया चल रही है.

तरुणमित्र

मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश अब 15 तक

प्रयागराज, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। यह निर्णय प्रदेश के विभिन्न केंद्रों से आ रही केंद्र समन्वयकों एवं छात्रों की मांग पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुए बताया कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल पर जाकर छात्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में सीधे ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

EDITORIAL

Slow start

While the campaign announced by Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal to curb air pollution in the national capital this winter is a welcome initiative, it is difficult not to wonder if the essay is being attempted rather late in the day, and after reports of stubble burning have already come in from Punjab and Haryana. In defence of the state government, it must be said it had its hands full with managing the coronavirus epidemic, a task it accomplished with some success.

On the other hand, the fact that the virus affects lungs and could therefore be life-threatening for those whose bodies are already compromised by pollution ought to have been known a long time ago. While Delhi has promised to do what it can, and has appealed to neighbouring states to address the problems of stubble-burning, thermal power plants and brick kilns, it would be naïve to expect that these measures will make a significant difference to pollution levels in the region this winter.

Already air quality in many parts of the capital has turned unhealthy, with remaining area reporting pollution levels that pose health risks to sensitive groups. While the matrix used by pollution control agencies and health authorities is different, it must be said that all of Delhi – with nearly 300,000 coronavirus cases, more than 5,500 deaths and nearly 3,000 containment zones – constitutes a territory populated by a sensitive group. This applies in equal measure to towns making up the National Capital Region. About the only saving grace is that more and more people – either because they are wary of the virus or of the fines being levied on violators – are wearing masks, as useful for evading infection as they are for countering pollution.

It must be said though that the efforts of the Union government have been somewhat lacklustre insofar as northern India's air pollution problem is concerned.

While the Finance Minister had provided Rs 4,400 crore for fighting air pollution in the last Budget, the leadership role the Union government was expected to play has not been in evidence. Punjab, Haryana, Rajasthan and Delhi are ruled by three different and often antagonistic political parties.

Additionally, all three parties have ambitions in the states they do not rule. In these circumstances, it was incumbent on the Union government to bring the state governments together on a bipartisan platform to evolve common prescriptions to tackle a problem that affects them all.

This has not been attempted at the political level and is a cause of regret. While the challenges posed by Covid-19 and hostile neighbours may have kept national leaders engaged, the business of governance cannot be conducted in bits and pieces.

Opening Pandora's Box

As it appears that the ongoing investigations by three important agencies viz. CBI, NCBI and ED into the death mystery of Late Sushant Singh Rajput has opened up a Pandora's Box. While the actual cause or reasons and the person/s responsible for the death of the said actor are yet to be ascertained, the upcoming secrets regarding use of banned psychotropic drugs by many young Bollywood actors and actresses, including other associated persons in the film industry, in the cocktail parties have added another worrying dimension in the so far unresolved mystery. To make the matter worse perhaps, the reports of physical exploitation of young actresses by film directors, producers and male actors have further downgraded the prevailing unethical environment in the industry. In this consistently evolving complex scenario with new developments and such disclosures being reported almost every day in the media, the overall landscape of the film industry seems drowned into various kinds of the murkier dealings like drug-abuse, money-laundering and sex-scandals, continuing since the long past.

These unethical dealings have become particularly distressful against the backdrop of not only SSR's suspicious death on 13 June, 2020 including that of the mysterious death of his ex-manager Disha Saliyan a week earlier but with suspicious demise of few more promising cine stars viz Jiah Khan, Preksha Mehta, Pratusha Banerjee, Sridevi, Silk Smitha, Divya Bharati etc to count, recorded as suicides. That obviously points towards the close nexus of these unfortunate deaths of the young film stars, or may possibly be killings, with the aforesaid drugs, money and sex scandals. In fact, the continuous upcoming of several shining names among the film celebrities including very popular and heart-throbbing male and female thespians of the Bollywood in connection with the drugs points toward the bigger malady of existing drug peddlers, criminals and middlemen altogether grouped as powerful drug-cartels in the Bollywood. These drug syndicates are said to enjoy support from local police, ruling establishments and even underworld, deriving their links from international connections.

These film celebrities have always influenced and motivated the younger generations who copy

Prof. Sudhanshu Tripathi
UPRTOU, Prayagaraj (UP)

them in their real life. But that marks the greater erosion in the otherwise highly cultured and value-oriented Indian society tracing its roots from ancient India's religious and philosophical-metaphysical moorings and so-evolved rich traditional-moral heritage. But such a religious and cultured society is now witnessing the abysmal decline where just transient and material or sensuous pleasures have become the end of the human life for most of these young male and female artists in the industry.

Hence a precious question arises that since these Bollywood stars happen to be role models of our younger generations, then what will they feel or conclude from such immoral and shameful deeds of their glamorous film icons. To be more precise, shall not they be induced to follow the same. And that is indeed is going with much fanfare in our country, a glimpse of which was seen during the long course of lockdown in the country when sale of liquor was resumed. Surprisingly, the liquor shops witnessed very long queues comprising young girls and boys of well-educated and respected families waiting for their turn, besides hundreds and thousands of habitual drug addicts.

Besides these, there also exits a well-organized dominant group of few community-oriented stars who are said to be powerful enough to determine the fate of young artists coming from common backgrounds. It is upon their pleasure and terms that a new artist will get an opportunity to work in the industry, otherwise he/she may be sidelined or kicked-out to ultimately commit suicide, as is said to have happened in the most cases of suicides by the artists/celebrities in the past.

In fact, the drug-addiction among younger generations continues to be a chronic problem not only in our country but all over the world as these contrabands are sold among youths in a clandestine manner by the well-organised drug syndicates, thereby earning huge amounts. One can remember the sudden spurt of a typical hippy culture in all over the world during seventies in 19th century which was characterised by the massive drug abuse among young generations that was boldly shown by the film industry a movie, "Hare Krishna, Hare Ram."

Because these psychotropic drugs, in fact provide temporary respite to the misguided and escapist youths by causing delusionary effects into their brains, who gradually become used to such chemicals to enjoy illusion. Obviously, such habitual misuse of these drugs - though these are already banned in the country - which are to be used exclusively for medical purposes under well-qualified doctors only, must be completely stopped forthwith to save our younger generations falling prey to their addiction, thereby ruining their future and precious lives and also that of the country. In fact, they are the precious wealth of any country and it is upon them that the future of the country rests.

Obviously, their proper upbringing with inculcation of universal moral values is the utmost responsibility of all parents, civil society as well as that of the state. Indeed, the challenge of moral regeneration among youths as well as different sections of society is perhaps the uppermost concern today in our country and also in many other countries of the world. Fortunately, this concern has been aptly taken into consideration by India's new National Education Policy, 2020, the result of which may be felt after three/four decades.

Thus the truth behind SSR's suspicious death will obviously come out one day as the investigating agencies are sincerely working for this end and they are said to have collected enough evidences to corroborate their findings. And that will very likely open up many ongoing unethical activities in the Bollywood, particularly drug-abuse, sex-scandals, money-laundering and also mysterious deaths of young cine-stars. Of course all these malpractices and the involved persons in the film industry must be brought open so as curb them forever. This can be done as nothing is beyond human endeavour.

विश्व खाद्य कार्यक्रम को शांति का नोबेल पेज 14 | कमाना पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश पेज 14

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

प्रयागराज | युवा | हिन्दुस्तान 06

वर्चुअल होगी संक्रमितों की बीएड काउंसिलिंग

प्रयागराज | निज संवाददाता

मुविवि

- बीएड-विशिष्ट बीएड की काउंसिलिंग 12 अक्तूबर से
- ई-मेल पर भेजनी होगी अभ्यर्थियों को पॉजिटिव रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड एवं विशिष्ट बीएड में दाखिले के लिए काउंसिलिंग 12 अक्तूबर यानी सोमवार से होगी। ऐसे में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने की जरूरत नहीं होगी। काउंसिलिंग 12 से 14 अक्तूबर तक विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित होगी। प्रवेश काउंसिलिंग के समन्वयक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को समय से पूर्व रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को देनी होगी।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए वर्चुअल मोड से काउंसिलिंग पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसों को काउंसिलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों की भी स्कैन कॉपी ईमेल के से एमएआईएल डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना अनिवार्य है। काउंसिलिंग के दिन वर्चुअल मोड में संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की 12 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है।

प्रवेश काउंसलिंग समन्वयक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए हैं, अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपनी पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का अवसर प्रदान किया है।

प्रो. दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, किंतु जांचोपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग के मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन करा रहा है। परिसर में प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों की थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाएगी।

अमर उजाला
प्रयागराज, शनिवार, 10 अक्तूबर 2020
amarujala.com | इंतजार | बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों पर नीतीश कुमार की नजर...10 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला | प्रयागराज | युवा | Youth | प्रयागराज | शनिवार, 10 अक्तूबर 2020 | 6

कोरोना संक्रमितों की ऑनलाइन काउंसलिंग

मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड प्रवेश के लिए 12 से 14 अक्तूबर तक होगी काउंसलिंग

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्तूबर तक विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित की जाएगी। खास यह कि कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए विश्वविद्यालय नहीं आना होगा। उनकी वर्चुअल उपस्थित मान्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करानी होगी।

कोरोना संक्रमित अभ्यर्थियों को पहले से ईमेल पर भेजने होंगे शैक्षिक दस्तावेज

पहले बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा के लिए काउंसलिंग अलग-अलग कराई जाती थी, लेकिन इस बार एक साथ काउंसलिंग होगी। इसलिए सरस्वती परिसर में काउंसलिंग के लिए दो केंद्र खोले जाएंगे। बीए की 500 सीटों और बीएड विशिष्ट शिक्षा की 400 से अधिक सीटें हैं। इसमें प्रदेश भर से अभ्यर्थी शामिल होंगे। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के लिए बुलाए गए जो अभ्यर्थी कोरोना पॉजिटिव हैं, उन्हें विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी देनी होगी और कोरोना पॉजिटिव होने की रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करनी होगी।

समन्वयक के मुताबिक मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को वर्चुअल मोड में काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान किया है। कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी और उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाणपत्रों आदि की स्कैन कॉपी ईमेल mail.uprtou.ac.in पर अनिवार्य रूप से भेजनी होगी। काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन जांच के बाद कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने पर अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा।

www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad
सहजसत्ता
सत्य की सत्ता को समर्पित

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

प्रयागराज(नि.सं)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की 12 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यथियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में होगी। ऐसे अभ्यथियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है। प्रवेश काउंसलिंग समन्वयक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए है, अगर वह कोरोना पाजिटिव है तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपनी पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यथियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का अवसर प्रदान किया है। प्रो. दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, किंतु जांचोपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग के मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन करा रहा है।

गेंदबाजों ने दिलाई दिल्ली की जीत
P 08

facebook.com/amarujala twitter.com/amarujalanews amarujala.com/channels/downloads/

अमर उजाला

amarujala.com
वर्ष 24 ■ अंक 116 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 2.50 रुपये
प्रयागराज | शनिवार | 10 अक्तूबर 2020

SELECT

अनलॉक 5

कोरोना बुलेटिन

भारत (अब तक)

संक्रमित	69,46,598
ठीक हुए	59,46,371
मौत	1,06,925
नए मामले	70,824

राज्य	संक्रमित	ठीक हुए	मौत	[illegible]	
महाराष्ट्र	1493884	1212016	39430	13395	358
आंध्र प्रदेश	739719	684930	6128	5292	42
कर्नाटक	679356	552519	9675	10704	101
उत्तर प्रदेश	427459	378662	6293	3249	45

दुनिया (अब तक)
संक्रमित 3,69,06,278 मौत 10,68,738

अमर उजाला www.amarujala.com प्रयागराज CITY प्रयागराज | शनिवार | 10 अक्तूबर 2020 4

मुक्त विश्वविद्यालय में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग

बीएड प्रवेश के लिए 12 से 14 अक्तूबर तक होगी काउंसलिंग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्तूबर तक विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित की जाएगी। खास यह कि कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए विश्वविद्यालय नहीं आना होगा। उनकी वर्चुअल उपस्थित मान्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करानी होगी।

पहले बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा के लिए काउंसलिंग अलग-अलग कराई जाती थी, लेकिन इस बार एक साथ काउंसलिंग होगी। इसलिए सरस्वती परिसर में काउंसलिंग के लिए दो केंद्र खोले जाएंगे। बीए की 500 सीटों और बीएड विशिष्ट शिक्षा की 400 से अधिक सीटें हैं। इसमें प्रदेश भर से अभ्यर्थी शामिल होंगे। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के लिए बुलाए गए जो अभ्यर्थी कोरोना पॉजिटिव हैं, उन्हें विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी देनी होगी और कोरोना पॉजिटिव होने की रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करनी होगी।

समन्वयक के मुताबिक मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को वर्चुअल मोड में काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान किया है। कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी और उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाणपत्रों आदि की स्कैन कॉपी ईमेल पर अनिवार्य रूप से भेजनी होगी। काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन जांच के बाद कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने पर अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा।

दैनिक जागरण

Prayagraj Saturday, 10 October 2020

कोविड पॉजिटिव की वर्चुअल काउंसलिंग

यूपीआरटीओयू में बीएड में दाखिले के लिए 12 अक्टूबर से शुरू हो रही काउंसलिंग

कोविड 19 पॉजिटिव अभ्यर्थियों को फिजिकली शामिल होने से मिली छूट

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (9 Oct): यूपीआरटीओयू में 12 अक्टूबर से बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग शुरू हो रही है. इसमें कोरोना संक्रमित अभ्यर्थियों को फिजिकल प्रजेंट होने से छूट दी गई है. लेकिन यह लोग वर्चुअल मोड में अनिवार्य रूप से शामिल होंगे. यह काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक यूनिवर्सिटी के मेन कैंपस स्थित सरस्वती परिसर में आयोजित की गई है. काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पीपी दुबे ने इस बारे में जानकारी. उन्होंने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी अगर कोरोना पॉजिटिव होंगे तो उन्हें यूनिवर्सिटी को पूर्व में इसकी जानकारी देनी होगी. ऐसे अभ्यर्थी अपनी रिपोर्ट ईमेल के जरिए यूनिवर्सिटी को भेजें.

मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उठाया कदम

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का अवसर दिया है. ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों आदि की भी स्कैन कॉपी ईमेल के जरिए द्वइद्वद्य.ह्वश्चह्वद्धथ्ह्र.इह्ष्.द्वट्ठ पर भेजना अनिवार्य है. प्रोफेसर दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी. उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा. लेकिन कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के बाद अभ्यर्थियों को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन के लिए यूनिवर्सिटी के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा.

For more news log on to www.inextlive.com

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp @gmail.com

हरबात

आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 262 फतेहपुर, शनिवार, 10 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

हरबात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020 में कोरोना पॉजिटिव अभ्यथिऱ्यों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यथिऱ्यों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक सरस्वती परिसर, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित की जाएगी।

बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शर्त यह होगी कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए है अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपने कोरोना पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यथिऱ्यों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों आदि की भी स्कैन कॉपी ईमेल के माध्यम से एमएआईएल डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना अनिवार्य है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोंपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आगामी 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग वेऽ मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन करा रहा है। परिसर में प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यथिऱ्यों की थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाएगी।

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज, शनिवार 10 अक्टूबर 2020

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की 12 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है।

प्रवेश काउंसलिंग समन्वयक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए हैं, अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपनी पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेशित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का अवसर प्रदान किया है। प्रो. दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा, किंतु जांचोपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पष्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा।

दैनिक लोकमित्र
सच्चाई की जंग
वर्ष : 26 | अंक : 341
प्रतापगढ़ | शनिवार , 10 अक्टूबर-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020 में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक सरस्वती परिसर, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित की जाएगी। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शर्त यह होगी कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए हैं अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपने कोरोना पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों आदि की भी स्कैन कॉपी ईमेल के माध्यम से एमएआईएल डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना अनिवार्य है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोंपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आगामी 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग के मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन करा रहा है। परिसर में प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों की थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाएगी। काउंसलिंग की सफलता के लिए विभिन्न पटलों पर अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग लिया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने आज काउंसलिंग की तैयारियों का जायजा लिया।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शनिवार , 10 अक्टूबर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020 में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक सरस्वती परिसर, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित की जाएगी। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020–21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शर्त यह होगी कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए हैं अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपने कोरोना पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों आदि की भी स्कैन कॉपी ईमेल के माध्यम से एमएआईएल डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना अनिवार्य है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोंपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आगामी 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग के मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन करा रहा है। परिसर में प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों की थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाएगी। काउंसलिंग की सफलता के लिए विभिन्न पटलों पर अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग लिया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने आज काउंसलिंग की तैयारियों का जायजा लिया।

आवाज़-ए-आम
जन तपिस
जन जन की आवाज़
वर्ष : 6
अंक : 351
लखनऊ,
शनिवार,
10 अक्टूबर
2020 पृष्ठ : 4
मूल्य 1 रुपया

बीएड काउंसलिंग में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

सुधीर सिन्हा ,प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020 में कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति

वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से पूरी छूट प्रदान की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक सरस्वती परिसर, में की जाएगी।

बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020–21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए शर्त यह होगी कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए हैं अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो उन्हें विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी देनी होगी और अपनी कोरोना पाजिटिव वाली रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करना होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित न होने पाए इसीलिए उन्हें सहूलियत प्रदान करते हुवे वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया को पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कॉपी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्रों की भी स्कैन कॉपी ईमेल के माध्यम से एमएआईएल डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना अनिवार्य है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोंपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आगामी 12 से 14 अक्टूबर तक होने वाली बीएड काउंसलिंग के मद्देनजर विश्वविद्यालय सरस्वती परिसर में काउंसलिंग स्थल के समीप सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है और परिसर में प्रवेश के पूर्व सभी अभ्यर्थियों की थर्मल स्कैनिंग सुनिश्चित की जाएगी। काउंसलिंग की सफलता के लिए विभिन्न पटलों पर अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग लिया जाएगा।वहीं विश्वविध्यालय कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ

www.sahajsatta.in
facebook.com/sahajsatta.allahabad

वर्ष 13 अंक 105
पृष्ठ-8
प्रयागराज
बुधवार, 30 सितम्बर 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

मुक्त विवि में बीएड काउंसलिंग 12 से

प्रयागराज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यथिर्यों की काउंसिलिंग 12 अक्टूबर से शुरू होगी। यह जानकारी बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने देते हुए बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यथिर्यों की काउंसिलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। बीएड एवं बीएड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यथिर्यों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यथिर्यों की काउंसिलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यथिर्यों की काउंसिलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसिलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। इसमें शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यथिर्यों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसिलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

12 अक्टूबर से शरू होगी मुक्त विश्वविद्यालय में बी.एड काउंसलिंग

सुधीर सिन्हा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020– 21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंस. लिंग 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए , प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी.एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंस. लिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है और। बीएड परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंस. लिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी जबकि बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एस एम एस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

Jammu City
दैनिक
जिंदा सच
Daily Hindi Newspaper

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि में बीएड काउंसलिंग बारह अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 अक्टूबर से शुरू होगी।

यह जानकारी बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने देते हुए बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। बीएड एवं बीएड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसिलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। इसमें शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसिलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

प्रयागराज, बुधवार
30 सितंबर, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

मुविवि : बीएड एवं बीएड विशिष्ट में दाखिले के लिए 12 से काउंसिलिंग

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए सत्र में बीएड एवं बीएड विशिष्ट की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सरस्वती परिसर में 12 से 14 अक्टूबर तक होगी। प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि कटऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

प्रयागराज, बुधवार, 30 सितंबर, 2020
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मुक्त विवि में बीएड काउंसलिंग बारह अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 अक्टूबर से शुरू होगी। यह जानकारी बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी.पी दुबे ने देते हुए बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 12 से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। बीएड एवं बीएड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसिलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। इसमें शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसिलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

दैनिक जागरण
www.inextlive.com

ओपन यूनिवर्सिटी में बीएड काउंसलिंग 12 से

PRAYAGRAJ (29 Sept): राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में बी एड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020–21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से प्रारंभ होगी. प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि काउंसलिंग 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी. अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है.

हिन्दी दैनिक
हरबात
आपके साथ
अंक : 252 फतेहपुर, बुधवार, 30 सितम्बर 2020 पृष्ठ : 8

मुक्त विश्वविद्यालय में बी.एड काउंसलिंग 12 अक्टूबर से

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020- 21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी.एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बी.एड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बी.एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी।

दैनिक लोकमित्र

मुक्त विश्वविद्यालय में बी.एड काउंसलिंग 12 अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी.एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बी.एड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एस एम एस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

दैनिक
भोपाल-नागपुर-जयपुर से प्रकाशित
www.khabromehamarashahar.com
खबरों में हमारा शहर
वर्ष- 8 अंक-171 भोपाल, बुधवार 30 सितंबर 2020 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रूपये
सच के साथ हमेशा

12 अक्टूबर से शुरू होगी मुक्त विश्वविद्यालय में बी.एड काउंसलिंग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए , प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी.एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है और। बीएड परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी जबकि बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है।

अमृत कलश टाइम्स

मुक्त विवि में बी. एड काउंसलिंग 12 अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020– 21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर 2020 से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी. एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बी.एड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एस एम एस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते हैं।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज, बुधवार, 30 सितम्बर , 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में बी.एड काउंसलिंग 12 अक्टूबर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए बी.एड एवं बी.एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि इस बार बी.एड एवं बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बी.एड एवं बी. एड शिक्षा विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट ऑफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बी.एड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बी. एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 202 में होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एस एम एस से सूचना प्रेषित की जा रही है। सफल अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से काउंसलिंग का लेटर डाउनलोड कर सकते है।

आज

मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड की काउंसलिंग १२ अक्टूबर से

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र २०२०–२१ की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग १२ अक्टूबर से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देते हुए बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि इस बार बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों की काउंसलिंग १२ से १४ अक्टूबर तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया की बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों की कट आफ मेरिट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग फाफामऊ स्थित मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन के तृतीय तल पर स्थित परीक्षा हाल में होगी। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या २०२ में होगी। मीडिया प्रभारी डा. प्रभातचंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया गया है। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए बुलाए गए प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस से सूचना प्रेषित की जा रही है।

Jammu City (Experienced)
दैनिक जिंदा सच
Daily Hindi Newspaper
जम्मू, मंगलवार 13 अक्टूबर 2020

दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों ने कराई अपनी ऑनलाइन काउंसलिंग

सुधीर सिन्हा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020–21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु काउंसलिंग सोमवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रारंभ हुई। काउंसलिंग के पहले दिन बीएड में प्रवेश के लिए 140 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें से दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने जानकारी देते हुवे बताया कि काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया और बीएड में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के 200 अभ्यर्थियों को सोमवार को बुलाया गया था,जिनमें से 140 अभ्यर्थियों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि बीएड में प्रवेश के लिए दो शिक्षार्थियों ने कोरोना पॉजिटिव होने के कारण ऑनलाइन अपनी काउंसलिंग को संपन्न कराया।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड में 550 सीटों पर प्रवेश के क्रम में 50 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए भी आरक्षित हैं।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में सामान्य वर्ग के 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि काउंसलिंग के लिए 140 लोगों को बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में 385 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इनमें से 35 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के लिए है। प्रोफेसर दुबे के अनुसार काउंसलिंग के दूसरे दिन यानी मंगलवार को बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश होगा। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

आवाज़-ए-आम
जन तपिस
जन जन की आवाज़
वर्ष : 07 अंक : 01 लखनऊ, मंगलवार, 13 अक्टूबर 2020 पृष्ठ : 4 मूल्य 1 रुपया
UPHIN/2014/62176

दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों ने कराई अपनी ऑनलाइन काउंसलिंग

सुधीर सिन्हा प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020–21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु काउंसलिंग सोमवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रारंभ हुई। काउंसलिंग के पहले दिन बीएड में प्रवेश के लिए 140 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें से दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने जानकारी देते हुवे बताया कि काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया और बीएड में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के 200 अभ्यर्थियों को सोमवार को बुलाया गया था,जिनमें से 140 अभ्यर्थियों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि बीएड में प्रवेश के लिए दो शिक्षार्थियों ने कोरोना पॉजिटिव होने के कारण ऑनलाइन अपनी काउंसलिंग को संपन्न कराया।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड में 550 सीटों पर प्रवेश के क्रम में 50 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए भी आरक्षित हैं।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में सामान्य वर्ग के 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि काउंसलिंग के लिए 140 लोगों को बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में 385 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इनमें से 35 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के लिए है। प्रोफेसर दुबे के अनुसार काउंसलिंग के दूसरे दिन यानी मंगलवार को बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश होगा। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों ने कराई ऑनलाइन काउंसलिंग

वरिष्ठ संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु काउंसलिंग सोमवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रारंभ हुई। काउंसलिंग के पहले दिन बीएड में प्रवेश के लिए 140 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया। आज बीएड में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के 200 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था जिनमें 140 अभ्यर्थियों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि बीएड में प्रवेश के लिए दो शिक्षार्थियों ने कोरोना पॉजिटिव होने के कारण ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई।

दैनिक जागरण
Prayagraj, Tuesday, 13 October 2020
PRAYAGRAJ EDITION
Within Prayagraj City Price ₹ 2.50/-
Outside Prayagraj City Price ₹ 3.00/-
Pages 10

दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों ने भी करायी काउंसलिंग

यूपीआरटीओयू में बीएड व बीएड विशिष्ट शिक्षा के लिए शुरू हुई काउंसलिंग

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (12 Oct): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा दाखिले के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई. विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में शुरु हुई काउंसलिंग की प्रक्रिया के दौरान पहले दिन बीएड में प्रवेश के लिए 140 अभ्यर्थियों ने दाखिला लिया. इनमें दो अभ्यर्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग करायी गई. वहीं बीएड विशिष्ट शिक्षा में 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया.

200 अभ्यर्थियों को किया गया था कॉल

बीएड में प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के 200 अभ्यर्थियों को पहले दिन बुलाया गया था. इसमें 140 अभ्यर्थियों का प्रवेश लिया गया. संयोजक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि बीएड में प्रवेश के लिए दो शिक्षार्थियों ने कोरोना पॉजिटिव होने के कारण ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई. प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड में 550 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा. इनमें 50 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं. प्रोफेसर दुबे ने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में सामान्य वर्ग के 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि काउंसलिंग के लिए 140 लोगों को बुलाया गया था. उन्होंने बताया कि बीएड विशिष्ट शिक्षा में 385 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा. इनमें 35 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के लिए है. मंगलवार को बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश होगा. मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा.

> काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया वहीं दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग ऑनलाइन करायी गई.
>
> **प्रोफेसर पी पी दुबे**
> संयोजक
> बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नज़रिया

दो संक्रमित अभ्यर्थियों ने कराई काउंसिलिंग

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश के लिए काउंसलिंग सोमवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रारंभ हुई। पहले दिन बीएड के 200 शिक्षार्थियों में से 140 को प्रवेश दिया गया जिनमें दो कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसिलिंग कराई गई। बीएड विशिष्ट शिक्षा में 140 में से 90 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया।

संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि बीएड की 550 सीटों में 50 और बीएड विशिष्ट शिक्षा की 385 सीटों में से 35 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। मंगलवार को बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिला सामान्य वर्ग की अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी।

आज
ऐश्वर्याको देखकर चमक उठी थीं अमिताभकी आंखें
मिस्रके पिरामिडमें छिपा है रहस्यमय चेंबर

कोरोना पाजिटिव अभ्यर्थियों की वर्चुअल मोड में होगी उपस्थिति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सोमवार से प्रारंभ हो रही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग २०२० में कोरोना पाजिटिव अभ्यर्थियों की उपस्थिति वर्चुअल मोड में अनिवार्य होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में उपस्थित रहने से छूट प्रदान की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग १२ से १४ अक्टूबर तक विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित की गई है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग २०२०-२१ के समन्वयक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि शर्त यह होगी कि ऐसे अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में बुलाए गए है अगर वह कोरोना पाजिटिव हैं तो विश्वविद्यालय को समय से पूर्व जानकारी दे दें और अपने कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित करें। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऐसे अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित होने से रोकने के लिए उन्हें वर्चुअल मोड से काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी कराने का सुअवसर प्रदान किया है। ऐसे कोरोना योद्धाओं को काउंसलिंग आवेदन पत्र की स्कैन कापी तथा उसमें वांछित समस्त अभिलेखों एवं आरक्षण संबंधी प्रमाणपत्रों आदि की भी स्कैन कापी ईमेल के माध्यम से एमएआईएल डाट यूपीआरटीओयू डाट एसी डाट इन पर भेजना अनिवार्य है। प्रो. दुबे ने बताया कि काउंसलिंग के दिन निर्धारित समयावधि में वर्चुअल मोड में कोरोना संक्रमित अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उक्त अभ्यर्थी को सब कुछ ठीक होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा किंतु जांचोंपरांत कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने एवं स्थिति सामान्य होने के पश्चात अभ्यर्थी को सभी मूल अभिलेखों के सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी निदेशक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। उन्होंने बताया कि अध्ययन केंद्र आवंटित होने के तुरंत बाद प्रवेश शुल्क आनलाइन जमा कराना होगा तथा अध्ययन केंद्र पर आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में प्रवेशार्थी की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं
दैनिक भास्कर
लखनऊ संस्करण
वर्ष-04, अंक-349
बुधवार, 14 अक्टूबर, 2020
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु.
For epaper : www.updainikbhaskar.com

मुविवि: बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में 230 को प्रवेश

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु काउंसलिंग के पहले दिन सोमवार को 230 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड में 140 तथा बीएड विशिष्ट शिक्षा में 90 शिक्षार्थियों को प्रवेश मिला। बीएड में प्रवेश के इच्छुक दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव भी थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई गई। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पीपी दुबे ने बताया कि बीएड में 550 सीटों पर प्रवेश दिया जाना है। इनमें 50 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग (ईडब्ल्यूसी) के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। बीएड विशिष्ट शिक्षा में 385 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इनमें 35 सीटें सामान्य वर्ग के अल्प आय वर्ग के लिए है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि काउंसलिंग में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

14 अक्टूबर, 2020

उच्च शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण विषयों पर वर्चुअल बैठक

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

वर्चुअल बैठक

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 14 अक्टूबर, 2020 को पूर्वाह्नन 11:15 बजें जूम के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण विषयों पर वर्चुअल बैठक आयोजित की गयी। वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों / निजी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव एवं कुलपतिगणों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उक्त बैठक में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने प्रतिभाग किया।

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अक्टूबर, 2020

"कोविड–19 काल खण्ड एवं स्वच्छता" विषय पर ई–संगोष्ठी

ई–व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

ई– व्याख्यान

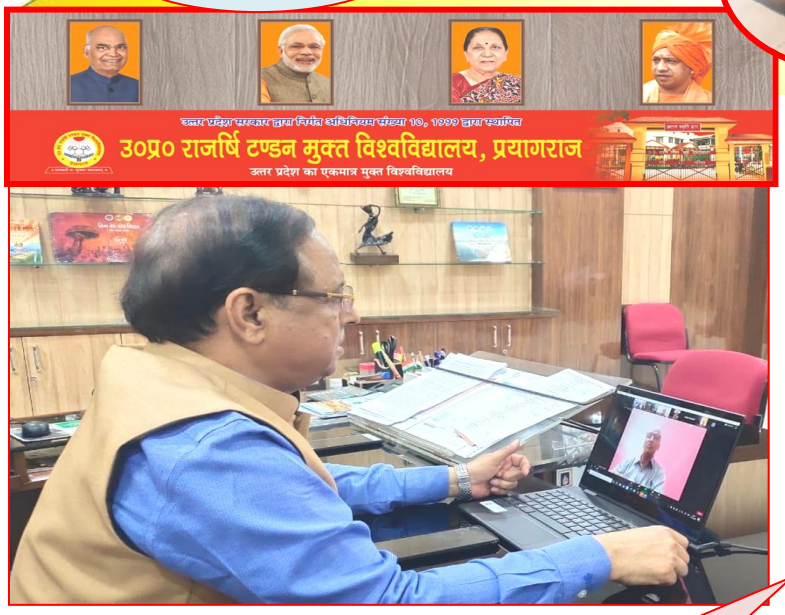

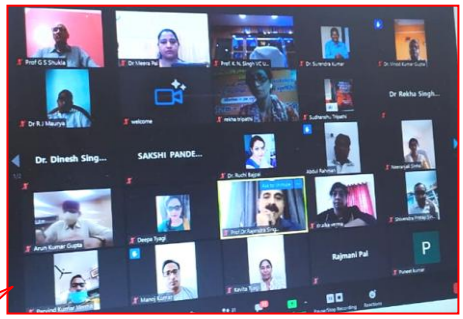

माननीय अतिथिगण

जैसा कि विदित है कि आज पूरा विश्व कोविड–19 महामारी से ग्रसित है। इसके निवारण हेतु हमारी केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की लोकप्रिय सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार यह प्रयास हर स्तर पर जैसे शासन, शैक्षणिक संस्थान, हॉस्पिटल और अनेकानेक प्रयासों के माध्यम से जनमानस को इसके बचाव एवं उपचार के प्रति जागरूक कर रही है। हम सभी इस लोकप्रिय सरकार के सराहनीय प्रयास के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर इस अभियान की मसाल को समाज के हर तबके तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

इसी क्रम में आज दिनांक 15 अक्टूबर 2020 को **विश्व हाथ धुलाई दिवस** के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा **"कोविड–19 काल खण्ड एवं स्वच्छता" विषय पर ई–संगोष्ठी** आयोजित कर रहा है। जिसके मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष, राजकीय एस0डी0जे0 मेडिकल कालेज एवं हॉस्पिटल के प्रो0 राजेन्द्र सिंह राजपूत जी रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत एवं परिचय ई–संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला एवं संचालन आयोजन सचिव डॉ0 मीरा पाल ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयक तथा परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

ई– व्याख्यान

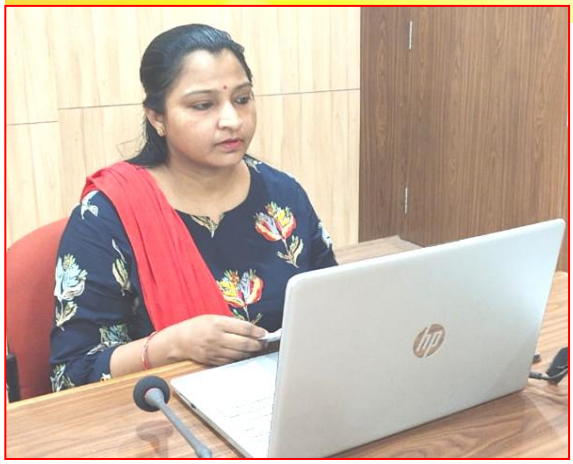

ई–संगोष्ठी का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 मीरा पाल

माननीय अतिथिगण

अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए ई–संगोष्ठी के संयोजक एवं निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने बताया कि ग्लोबल हैण्ड वाशिंग डे 15 अक्टूबर, 2008 को प्रारम्भ हुआ, और विश्व के 70 देशों के लगभग 12 करोड़ बच्चों ने इसमें प्रतिभाग किया। तब से प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर के दिन ग्लोबल हैण्ड वाशिंग डे पूरे विश्व में मनाया जाता है।

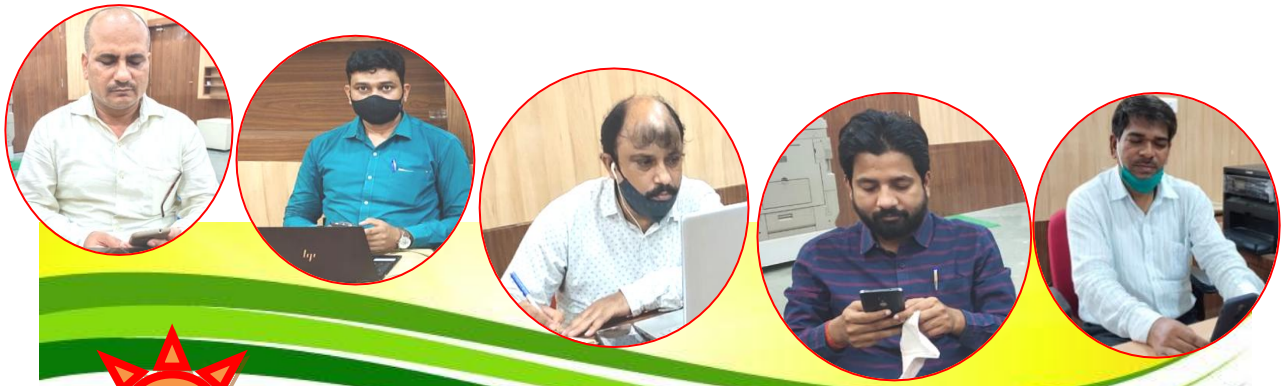

प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत

हाथ की धुलाई से बीमारियों से बचा जा सकता है : प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजकीय एस डी जे एच मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल आजमगढ़ के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता परिवार से ही शुरू हो जानी चाहिए जब व्यक्तिगत स्वच्छता पारिवारिक स्तर से शुरू होती है तो वह जीवन पर्यंत रहती व्यक्ति का व्यवहार परिवार मित्र समूह समाज एवं शिक्षा से परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहना है व्यक्ति की का प्राथमिक उद्देश्य है जब हम स्वस्थ रहते हैं तब हमारे आसपास का जीवन भी खुशहाल होता है स्वस्थ रहने की अनिवार्य शर्त है स्वच्छता कोविड.19 ने पूरे विश्व को स्वच्छता के महत्व से रूबरू करा दिया है आज जन समुदाय में जागरूकता और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने मानसिक तनाव रहित जीवन जीने के साथ ही पोषण युक्त भोजन की उपयोगिता पर जोर दिया।

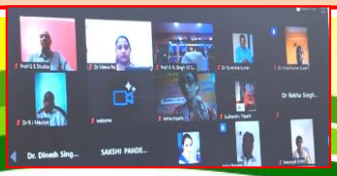

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कोरोना से बचाव को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं–प्रोफेसर सिंह

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज एवं परिवार में स्वस्थ रहने के उद्देश्य से व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।वर्तमान में पूरा विश्व न केवल भारत के पुरातन विचारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत हुआ बल्कि कोविड.19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ.साथ शाकाहारी भोजन तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने का कार्य करते रहना चाहिए, तभी इस दिवस की सार्थकता है। हाथ धुलाई जागरूकता अभियान का यह कार्यक्रम यही नहीं रुकना चाहिए। लोगों को अपने घरों तथा अपने कार्यस्थल पर भी इसका उपयोग सावधानी पूर्वक करना चाहिए।

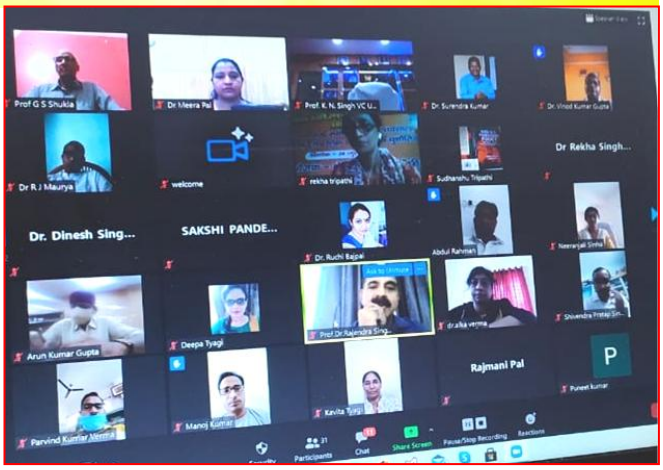

ई–व्याख्यान से जुड़े सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

ई–व्याख्यान में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

ई– संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले स्रोतागण

Prof.Dr.Rajendra Singh Raj...
P Puneet kumar
RP Rajmani Pal
R ramesh yadav
RT rekha tripathi
SP SAKSHI PANDEY.....
SC Satish chandra
SP Shivendra Pratap Singh
Sudhanshu Tripathi
W welcome
Vaibhav
DS Dr Soni Mishra

1 158251af (me) Dr. Prabhat Mishra
DM Dr Meera Pal (Host)
MK Manoj Kumar
Abdul Rahman
ST Sarvesh Tripathi
AK Arun Kumar Gupta
AS Anshu Sharma
Deepa Tyagi
Devesh Ranjan Tripathi
DA Dr Anil Bhadauria
Dr R J Maurya

DR Dr Rekha Singh RC Agra
DA Dr. Abhishek Singh
Dr. Ruchi Bajpai
DS Dr. Shruti Srivastava
dr.alka verma
KT Kavita Tyagi
kuldeep kumar
NS Neeranjali Sinha
PG Prof G S Shukla
PP Prof P P Dubey
PR Prof. R. P. S. Yadav
DS Dr. Smita Gautam
DT Dr. Trivikram Tiwari
PK Parvind Kumar Verma
R Redmi

हिन्दी दैनिक
हरबात
आपके साथ
अंक : 267 फतेहपुर, गुरूवार, 15 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ : 8

मुविवि में 3 दिवसीय बीएड प्रवेश काउंसलिंग संपन्न

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु तीन दिवसीय काउंसलिंग बुधवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में सम्पनन्न हो गई। काउंसलिंग के पश्चात बीएड में 372 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपनन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल 213 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि आज बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसलिंग कराई गई। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस तरह चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर आनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया। रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुविवि बीएड व विशिष्ट बीएड काउंसलिंग में 585 को मिला प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु तीन दिवसीय काउंसलिंग बुधवार को सम्पन्न हुई। काउंसलिंग के पश्चात बीएड में 372 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल 213 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया।

बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पी.पी दुबे ने बताया कि आज बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसलिंग कराई गई। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस तरह चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर आनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया। रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा।

जनसंदेश टाइम्स

मुविवि बीएड व विशिष्ट बीएड काउंसलिंग में 585 को मिला प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु तीन दिवसीय काउंसलिंग बुधवार को सम्पन्न हुई। काउंसलिंग के पश्चात बीएड में 372 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल 213 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पी.पी दुबे ने बताया कि आज बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसलिंग कराई गई। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस तरह चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर आनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया। रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा।

JEEVAN EXPRESS

Three-day B.Ed. Admission Counseling in UPRTOU held

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: Three-day counseling for admission to B.Ed and B.Ed Special Education for the session 2020-21 of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj was held on Wednesday at the University's Saraswati campus. After counseling, 372 entrants were admitted to B.Ed. In which two learners were coronavirus infected, counseling of those entrants held through online. Similarly, a total of 213 candidates were admitted to B.Ed Special Education. Coordinator of B.Ed and B.Ed Special Entrance Examination, Professor PP Dubey said that two Corona positive candidates were also given online counseling in B.Ed Special Education on Wednesday. Media in-charge Dr. Prabhat Chandra Mishra said that due to the corona being infected in this way, on the instructions of Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh, they were given the facility of online counseling and wished to get well soon. Counseling was conducted while adopting social distancing. Candidates will be provided an opportunity for admission on vacant seats on the waiting list.

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
युवा
हिन्दुस्तान 04

संक्रमित को ऑनलाइन काउंसिलिंग से दिया प्रवेश

मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज | कार्यालय संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु तीन दिवसीय काउंसिलिंग बुधवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में सम्पन्न हो गई। काउंसिलिंग के पश्चात बीएड में 372 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसिलिंग संपन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल 213 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया कि बुधवार को बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसिलिंग कराई गई। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर ऑनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया।

यूनाइटेड भारत

बीएड काउंसलिंग मे 585 को मिला प्रवेश

प्रयागराज, १४ अक्टूबर । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र २०२०-२१ के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश हेतु तीन दिवसीय काउंसलिंग बुधवार को सम्पन्न हुई। काउंसलिंग के पश्चात बीएड में ३७२ शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल २१३ अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया।

बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पी.पी दुबे ने बताया कि आज बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसलिंग कराई गई। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस तरह चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर आनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। काउंसलिंग का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के आधार पर किया गया।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 06:05 बजे
सूर्यास्त : 05:40 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 304 | प्रयागराज, शुक्रवार 16 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

कोरोना से बचाव को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं:प्रो. सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर कोविड-19 कालखंड एवं स्वच्छता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज एवं परिवार में स्वस्थ रहने के उद्देश्य से व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।वर्तमान में पूरा विश्व न केवल भारत के पुरातन विचारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत हुआ बल्कि कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ शाकाहारी भोजन तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने का कार्य करते रहना चाहिए, तभी इस दिवस की सार्थकता है। हाथ धुलाई जागरूकता अभियान का यह कार्यक्रम यही नहीं रुकना चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने किया। इस ई-संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

www.anandimail.in

आनंदी मेल

(हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए

कोरोना से बचाव को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं-प्रोफेसर सिंह

आनंदी मेल संवाददाता

प्रयागराज। मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पर हुई ई-संगोष्ठी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर कोविड-19 कालखंड एवं स्वच्छता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज एवं परिवार में स्वस्थ रहने के उद्देश्य से व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।वर्तमान में पूरा विश्व न केवल भारत के पुरातन विचारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत हुआ बल्कि कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ शाकाहारी भोजन तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने का कार्य करते रहना चाहिए, तभी इस दिवस की सार्थकता है। हाथ धुलाई जागरूकता अभियान का यह कार्यक्रम यही नहीं रुकना चाहिए। लोगों को अपने घरों तथा अपने कार्यस्थल पर भी इसका उपयोग सावधानी पूर्वक करना चाहिए। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजकीय एस डी जे एच मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल आजमगढ़ के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता परिवार से ही शुरू हो जानी चाहिए जब व्यक्तिगत स्वच्छता पारिवारिक स्तर से शुरू होती है तो वह जीवन पर्यंत रहती व्यक्ति का व्यवहार परिवार मित्र समूह समाज एवं शिक्षा से परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहना है व्यक्ति की का प्राथमिक उद्देश्य है जब हम स्वस्थ रहते हैं तब हमारे आसपास का जीवन भी खुशहाल होता है स्वस्थ रहने की अनिवार्य शर्त है स्वच्छता कोविड-19 ने पूरे विश्व को स्वच्छता के महत्व से रूबरू करा दिया है आज जन समुदाय में जागरूकता और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने मानसिक तनाव रहित जीवन जीने के साथ ही पोषण युक्त भोजन की उपयोगिता पर जोर दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हाथ की धुलाई से बीमारियों से बचा जा सकता है यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के काल में हाथ धोने के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ गई है। 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस का यह कार्यक्रम हाथों की धुलाई के प्रति जागरूकता पैदा करने के मकसद से पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल नई संगोष्ठी का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने किया। इस ई-संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं

दैनिक भास्कर

बीएड व बीएड विशिष्ट शिक्षा में 585 शिक्षार्थियों को प्रवेश

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में शैक्षिक सत्र 2020-21 के बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश के लिए तीन दिवसीय काउंसलिंग के पश्चात कुल 585 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

बीएड में 372 शिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया जिनमें दो शिक्षार्थी कोरोना पॉजिटिव थे, जिनकी ऑनलाइन काउंसलिंग संपन्न कराई गई। इसी प्रकार बीएड विशिष्ट शिक्षा में कुल 213 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। बीएड तथा बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया कि आज बीएड विशिष्ट शिक्षा में भी दो कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की आनलाइन काउंसलिंग कराई गई।

मुविवि: चार कोरोना पॉजिटिव अभ्यर्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस तरह चार अभ्यर्थियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर आनलाइन काउंसलिंग की सुविधा प्रदान कर प्रवेश दिया गया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा।

अमृत कलश टाइम्स

इलाहाबाद शुक्रवार 16 अक्टूबर 2020

कोरोना से बचाव को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं–प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पर हुई ई–संगोष्ठी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मे गुरुवार को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर कोविड–19 कालखंड एवं स्वच्छता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज एवं परिवार मे स्वस्थ रहने के उद्देश्य से व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।वर्तमान में पूरा विश्व न केवल भारत के पुरातन विचारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत हुआ बल्कि कोविड–19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ–साथ शाकाहारी भोजन तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने का कार्य करते रहना चाहिए, तभी इस दिवस की सार्थकता है। हाथ धुलाई जागरूकता अभियान का यह कार्यक्रम यही नही रुकना चाहिए। लोगों को अपने घरो तथा अपने कार्यस्थल पर भी इसका उपयोग सावधानी पूर्वक करना चाहिए।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजकीय एस डी जे एच मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल आजमगढ़ के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता परिवार से ही शुरू हो जानी चाहिए जब व्यक्तिगत स्वच्छता पारिवारिक स्तर से शुरू होती है तो वह जीवन पर्यंत रहती व्यक्ति का व्यवहार परिवार मित्र समूह समाज एवं शिक्षा से परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहना है व्यक्ति की का प्राथमिक उद्देश्य है जब हम स्वस्थ रहते है तब हमारे आसपास का जीवन भी खुशहाल होता है स्वस्थ रहने की अनिवार्य शर्त है स्वच्छता कोविड–19 ने पूरे विश्व को स्वच्छता के महत्व से रूबरू करा दिया है आज जन समुदाय में जागरूकता और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने मानसिक तनाव रहित जीवन जीने के साथ ही पोषण युक्त भोजन की उपयोगिता पर जोर दिया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हाथ की धुलाई से बीमारियों से बचा जा सकता है यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का एक हिस्सा है।उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी के काल मे हाथ धोने के प्रति लोगों की जागरूकता बढ गई है। 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस का यह कार्यक्रम हाथों की धुलाई के प्रति जागरूकता पैदा करने के मकसद से पूरे विश्व मे मनाया जा रहा है। आयोजन सचिव डॉ मीरा पाल नई संगोष्ठी का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने किया। इस ई–संगोष्ठी मे विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

टीआरपी पर 12 हफ्ते तक रोक लगी पेज 15 | विराट पिता बनने से पहले मैरीकोम से टिप्स लेंगे पेज 16

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

फिर से अंगूर

शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2020, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com

07 • प्रयागराज • शुक्रवार • 16 अक्टूबर 2020 हिन्दुस्तान आज का दिन 1923 में रॉय और वाल्ट डिज्नी ने डिज्नी कंपनी की स्थापना की। सिटी लाइव

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पर हुई ई-संगोष्ठी, वक्ताओं ने कहा, हाथ धुलाई का जागरूकता अभियान रुकना नहीं चाहिए

स्वस्थ रहने को व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान जरूरी

वर्ल्ड हैंडवॉश डे

प्रयागराज | कार्यालय संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर कोविड-19 कालखंड एवं स्वच्छता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि समाज एवं परिवार में स्वस्थ रहने के उद्देश्य से व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। वर्तमान में पूरा विश्व न केवल भारत के पुरातन विचारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत हुआ बल्कि कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ शाकाहारी भोजन तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने का कार्य करते रहना चाहिए, तभी इस दिवस की सार्थकता है। हाथ धुलाई जागरूकता अभियान का यह कार्यक्रम यही नहीं रुकना चाहिए।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता राजकीय एसडीजेएच मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल आजमगढ़ के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता परिवार से ही शुरू हो जानी चाहिए। जब व्यक्तिगत स्वच्छता पारिवारिक स्तर से शुरू होती है तो वह जीवन पर्यंत रहती है। व्यक्ति का व्यवहार परिवार मित्र समूह समाज एवं शिक्षा से परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहना ही व्यक्ति का प्राथमिक उद्देश्य है। जब हम स्वस्थ रहते हैं, तब हमारे आसपास का जीवन भी खुशहाल होता है। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जीएस शुक्ल ने कहा कि हाथ की धुलाई से बीमारियों से बचा जा सकता है। यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का एक हिस्सा है। संचालन डा. मीरा पाल ने किया। ई-संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता समेत अन्य अधिकारी, शिक्षकों, क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अक्टूबर, 2020

"कोविड–19 काल खण्ड एवं स्वच्छता" विषय पर ई–संगोष्ठी आयोजित

स्वामी विवेकाननद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

परीक्षा जून 2020 के सकुशल सम्पन्न होने के पश्चात परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों के सम्मान में पाथेय कार्यक्रम आज दिनांक 15.10.2020 अपवराह्न 2.30 बजे समपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री ए.के. गुप्ता तथा वित्त अधिकारी श्री ए.के. सिंह थे। इसके अतिरिक्त उप कुलसचिव ई0 सुखराम मथुरिया, सम्पित प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह एवं सम्पत्ति अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम मुख्य रूप से जून 2020 की परीक्षा को कोविड–19 के कालखण्ड में सकुशल सम्पन्न करने के पश्चात सभी कर्मचारियों के Refreshment तथा उम्दा काम किये कर्मचारियों को पुरस्कृत किये जाने हेतु आयोजित किया गया था। पुरस्कृत किये गये कर्मचारी, श्रीमती सीमा सिंह, श्री विशाल विक्रम सिंह, डॉ. नीतू सिंह, श्री सुधीर कुमार तिवारी, श्री राजमणि शुक्ला, श्री ईश्वर नाथ विश्वकर्मा, श्रीमती पूर्णिमा जी भट्टाचार्य, श्री प्रवीण कुमार पाण्डेय, श्री राजू प्रसाद बारी, श्री बसन्त कुमार मौर्या, श्री विमलेश, श्री राज कुमार पुष्पाकर, श्री सुशील कुमार यादव, श्री अतुल कुमार यादव, श्री शिव लाल यादव आदि रहे। कार्यक्रम गीत, गजल, भजन आदि से गुंजायमान होता रहा। कार्यक्रम में कविता पाठ, गीत एवं गिरा कुएं में आदमी नामक एक लघु नाटिका का मंचन भी हुआ। मा0 कुलपति जी ने परीक्षा नियंत्रक एवं उनकी समस्त टीम को बधाई एवं शुभकामानायें दी। कार्यक्रम का संचालन श्री सत्यबीर राम त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सीमा सिंह ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री सत्यबीर राम त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री ए.के. गुप्ता तथा वित्त अधिकारी श्री ए.के. सिंह एवं उप कुलसचिव ई0 सुखराम मथुरिया को पुष्पगुच्छ व पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम में कविता पाठ एवं गीत प्रस्तुत करते हुए क्रमशः श्री अभिमन्यु, श्री परमानन्द उपाध्याय, श्रीमती पूर्णिमा भट्टाचार्य, श्री ईश्वर नाथ विश्वकर्मा एवं श्री गौरव शुक्ला

सम्मान समारोह

बेस्ट इम्प्लाई एवार्ड– श्रीमती नीतू सिंह, श्री सुधीर कुमार तिवार एवं श्रीमती सीमा सिंह, **मोस्ट इफीसिएंट इम्प्लाई एवार्ड**– श्री रामणि शुक्ला, श्री शौरभ गुप्ता एवं श्री कमलेश कुमार, **मोस्ट ओबिएन्ट इम्प्लाई एवार्ड**– श्री राजू बारी, श्री गौरव शुक्ला, श्री राहुल यादव एवं श्री राजकुमार पुद्दाकर को देते हुए मा0 कुलपति जी।

सम्मान समारोह

हार्ड वर्किंग इम्प्लाई एवार्ड –, श्री शिव लाल यादव, श्री राजेन्द्र कुमार पाल, श्री विमलेश यादव, **इन्र्जेटिक एण्ड इन्थूजियास्टिक इम्प्लाई एवार्ड–** श्री प्रवीण कुमार पाण्डेय, श्री ईश्वर नाथ विश्वकर्मा, श्री सुशील यादव, **ऑल इन वन आर कामन्डिेबल इम्प्लाई एवार्ड–** श्री विशाल विक्रम सिंह, श्री मुकेश कुमार मिश्र, श्री अतुल यादव,, **सारथी एवार्ड–** श्री मो0 इमरान, श्री अजय कुमार दुबे, श्री शीतल सिंह यादव, सारथी सहायक एवार्ड– श्री नड्डेन्द्र सिंह, श्री रामलखन मिश्र, श्री महेन्द्र यादव को देते हुए मा0 कुलपति जी।

सम्मान समारोह

शिल्पी एवार्ड– श्री शिवशंकर, **आउटस्टैंडिग पब्लिक डीलिंग एण्ड रिलेशन्स एवार्ड–**श्री बसन्त कुमार मौर्य, **आउटस्टैडिग क्वारडीनेशन एवार्ड (परीक्षा केन्द्रों से)** श्रीमती पूर्णिमा जी भटटाचार्या , **एक्सीलेंन्स एण्ड टॉप स्कोरर एवार्ड–** श्रीमती सीमा सिंह **बेस्ट फरफारमेंस एवार्ड–** श्री शिव लाल यादव को देते हुए मा0 कुलपति जी।

गिरा कुएं में आदमी नामक एक लघु नाटिका का मंचन

गिरा कुएं में आदमी नामक एक लघु नाटिका प्रस्तुत करते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

कार्यक्रम में उपस्थित परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

मा0 कुलपति जी परीक्षा विभाग के इस कार्यक्रम से अत्यन्त प्रसन्न हुए। कोविड–19 की इस वैश्विक महामारी में भी विश्वविद्यालय द्वारा सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के लिए परीक्षा नियंत्रक और उनकी समस्त टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। संस्कृति कार्यक्रमों से प्रसन्न होकर मा0 कुलपति जी ने यह स्वीकार किया कि विश्वविद्यालय को इस विधा के प्रोन्नत करने में और अधिक ध्यान देना चाहिये।

अतिथि सम्मान

कार्यक्रम के
मुख्य अतिथि
विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति
प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह
को
स्मृति चिन्ह
भेंट कर
उनका सम्मान करते हुए
परीक्षा नियंत्रक
श्री डी.पी. सिंह

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री ए.के. गुप्ता एवं वित्त अधिकारी श्री ए.के. सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

अतिथि सम्मान

कार्यक्रम में उपस्थित उप कुलसचिव ई0 सुखराम मथुरिया, डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 सी.के. सिंह, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं संचालन कर रहे श्री सत्यबीर राम त्रिपाठी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई श्रीमती सीमा सिंह

मा0 कुलपति जी के साथ फोबेग्रफी कराते हुए सम्मान पाये हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

16 अक्टूबर, 2020

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के भवन का राज्यपाल ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का ऑनलाइन शिलान्यास शुक्रवार दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार एवं अन्य विशिष्ट जनों का स्वागत किया। कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का शिलान्यास किया।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम का संचालन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

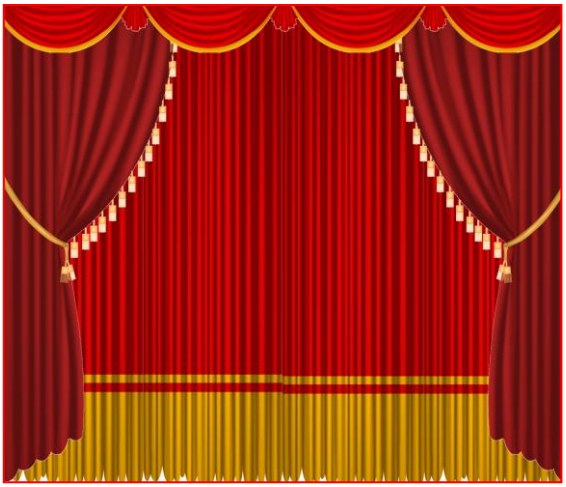

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

मा0 अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम परिचय देते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

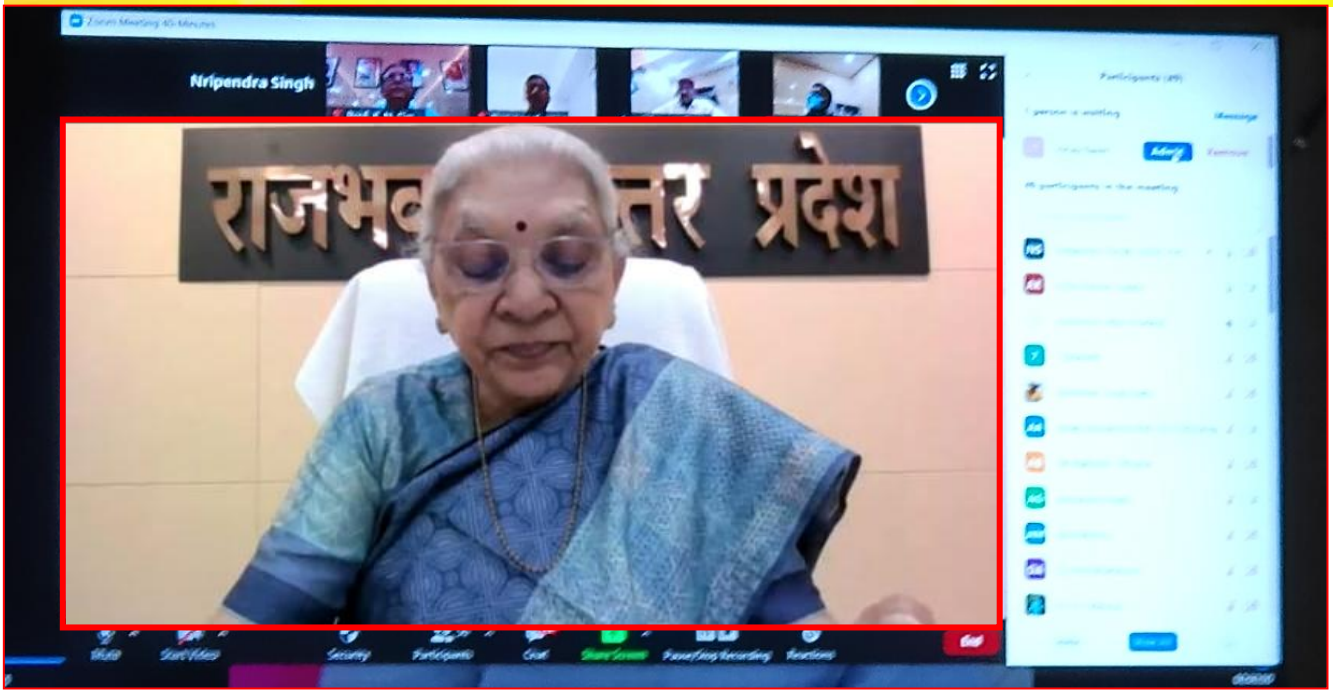

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के भवन का शिलान्यास करती हुई श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

डॉ0 दिनेश शर्मा जी मा0 उप मुख्यमंत्री

दूरस्थ शिक्षा दिनानुदिन जन सामान्य के बीच लोकप्रियता हाशिल कर रही है : उप मुख्यमंत्री

मा0 उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज उ0प्र0 सरकार का इकलौता मुक्त विश्वविद्यालय है, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2035 तक सफल नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सतत, सचेष्ट है। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के पीछे यह दृष्टि रही है कि विवशता एवं अभाव के चलते यथा महिलायें, सेना एवं पुलिस के जवान, व्यवसायी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी आदि, जो उच्च शिक्षा के केन्द्रों तक नहीं पहुंच सकते, उन्हें भी गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा सुलभ हो। न्यूनतम लागत एवं लचीले स्वभाव के कारण दूरस्थ शिक्षा दिनानुदिन जन सामान्य के बीच लोकप्रियता हाशिल कर रही है। विशेषतः कोविड–19 महामारी के काल खण्ड में जहां के0जी0 से लेकर पी0जी0 तक शैक्षणिक कक्षाएं बन्द पड़ी है, वहीं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने ई–व्याख्यान के माध्यम से शिक्षा के अलख को जगाये रखा है। कोविड–19 की जिन परिस्थितियों में परम्परागत विश्वविद्यालय चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने विगत 3 सालों से ऐसी व्यवस्था लागू किया है कि प्रवेश एवं पूरा पाठ्यक्रम ऑनलाइन हो रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति 2020 में ऑनलाईन एवं ऑफलाइन शिक्षा के समन्वय पर जोर दिया गया है। दूरस्थ शिक्षा का यह विश्वविद्यालय पहले से ही प्रयोग में ला चुका है। 75 जिलों में फैले अध्ययन केन्द्रों, जो सम्प्रति 12 क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से संचालित हो रहे हैं, प्रभावी नियंत्रण एवं नियमन की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। उ0प्र0 के सबसे बड़े नगर कानपुर में विश्वविद्यालय का निजी भवन न होने का अभाव खटकता रहा है। मेरा विश्वास है कि उक्त भवन के निर्माण के बाद कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हमीरपुर, उन्नाव एवं फतेहपुर के अध्ययन केन्द्रों पर प्रभावी नियंत्रण होगा एवं उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन होगा एवं दूरस्थ का यह विश्वविद्यालय वांछित लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होगा। मैं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को उनके सदप्रयासों हेतु बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं देता हूं।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में मुविवि अग्रणी : राज्यपाल

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए कहा कि कानपुर में विश्वविद्यालय का अपना क्षेत्रीय कार्यालय भवन बन जाने से उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुविधा हो जायेगी। उन्होंने कहा कि समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो घरेलू दिनचर्या या व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण कक्षाओं में नियमित अध्ययन नहीं कर सकता, वह मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से गुणात्मक शिक्षा ग्रहण कर सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि देश के स्वाधीनता आन्दोलन में कानपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। यह नगर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र और जूट की मिलों के रूप में प्रसिद्ध रहा है। प्लास्टिक उद्योग, इंजीनियरिंग तथा इस्पात के कारखानों, बिस्कुट आदि बनाने के कारखाने पूरे जनपद में लगे हुए हैं। यहां बड़े उद्योगों के साथ छोटे–छोटे अनेक कल–कारखानें स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि इन कारखानों में लाखों लोग काम करते हैं। वे लोग काम के साथ अपनी पढ़ाई भी करना चाहते हैं तो उनके लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय एक वरदान साबित हो सकता है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के सभी स्तरों पर वंचित समूहों की समान सहभागिता सुनिश्चित की गयी है एवं उनमें विशेष रूप से वंचित महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें पहला कदम शिक्षा में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जेन्डर समावेशी फण्ड की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित है। इस शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर, उसमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण ई–पाठयवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं। उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन–पाठन ऐसा होना चाहिए, जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता का भाव विकसित करे और रोजगार योग्य भी बनाए। उन्होंने कहा कि वास्तव में शिक्षा के माध्यम से हमें ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ–साथ विश्व–कल्याण से ओत–प्रोत हो और वे सही मायने में 'ग्लोबल सिटिजन' बन सकें।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, अनेक विद्वतजन एवं शिक्षकगण भी आनलाइन जुड़े हुए थे।

———

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

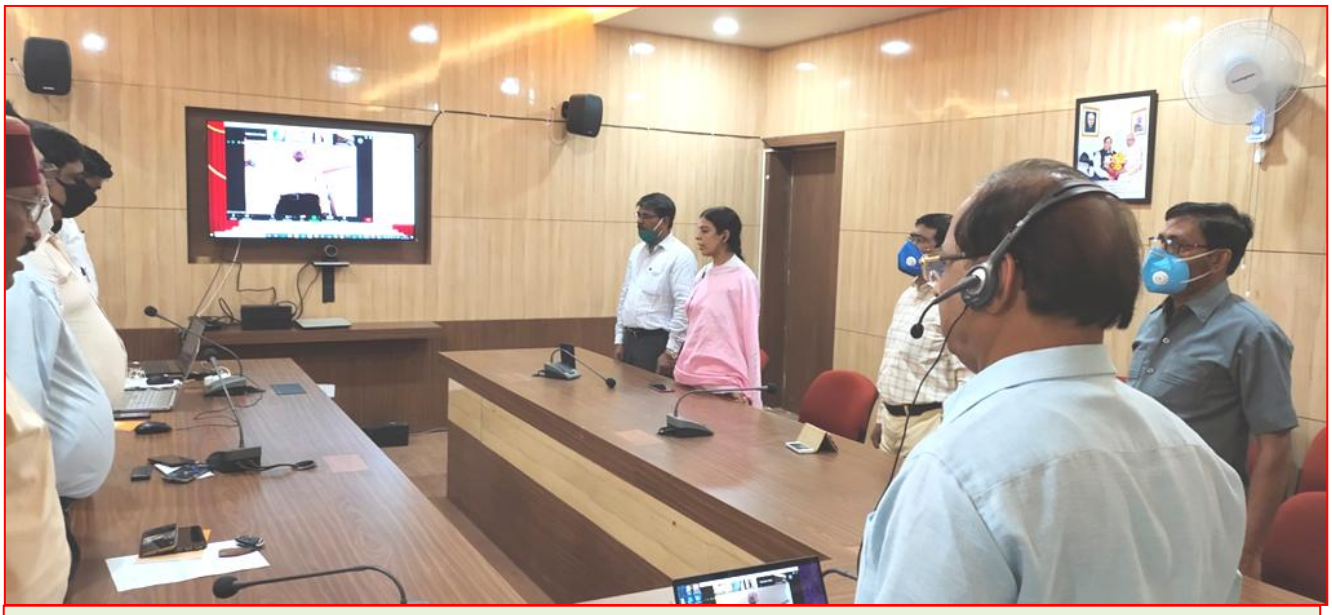

राष्ट्रगान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

जुनून है सच दिखाने का

डाक पंजीयन संख्या :- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 09
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 17 अक्टूबर, 2020

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्ज़ापुर व वाराणसी से प्रसारित

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के भवन का राज्यपाल ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में मुविवि अग्रणी-राज्यपाल

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का ऑनलाइन शिलान्यास शुक्रवार को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। इस अवसर पर श्रीमती पटेल ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर का भवन बनने के बाद इसके समवर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी। भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन लक्ष्य को 50# तक पहुंचाने के लक्ष्य में मुक्त विश्वविद्यालय अपना दायित्व पूर्ण करेगा। प्रयागराज और लखनऊ के क्षेत्रीय कार्यालय अपने भवन में संचालित हो रहे हैं तथा क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पूर्णता की ओर है। इसी अनुक्रम में कानपुर क्षेत्रीय कार्यालय जो अब तक किराए के भवन में चल रहा था, उसकी आधारशिला आज रखी जा रही है और यह भवन शीघ्र बनकर तैयार होगा। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। विश्वविद्यालय ने कोविड-19 के विषय में शिक्षार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य कोविड-19 जागरूकता पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या व्यवसाय प्राप्त करना ही नहीं, अपितु ज्ञान की पिपासा को शांत करना भी है। मुक्त विश्वविद्यालय ने इसे चरितार्थ करते हुए हजारों सेवानिवृत्त नागरिकों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि समसामयिक चुनौतियां इन मुद्दों तथा व शक्तियों को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में अग्रणी रहा है। समसामयिक मुद्दों की चुनौतियों को देखते हुए उसके अनुरूप पाठ्यक्रमों की संरचना एवं श्रीगणेश उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की विशिष्टता है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पठन-पाठन का निर्वाह करते हुए कोविड-19 महामारी के आपदकाल में सामाजिक दायित्व का निर्वाह किया है। श्रमिकों के लिए भोजन पैकेट, मास्क वितरण, गमछा वितरण एवं सफाई का अभियान चलाकर विश्वविद्यालय में समुदाय के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने दायित्व का निर्वाह किया है।

ऑनलाइन शिलान्यास समारोह के विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े नगर कानपुर में विश्वविद्यालय का निभवन न होने का अभाव खटकता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उक्त भवन के निर्माण के बाद कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हमीरपुर, उन्नव, फतेहपुर के अध्ययन केंद्रों पर प्रभावी नियंत्रण होगा एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन होगा। इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय वांछित लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होगा। डॉ शर्मा ने कहा कि न्यूनतम लागत एवं लचीले स्वभाव के कारण दूरस्थ शिक्षा जन सामान्य के बीच लोकप्रियता हासिल कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ने ई-व्याख्यान के माध्यम से शिक्षा के अलग को जगाए रखा है।

इस अवसर पर ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो कि एक सराहनीय कदम है।

इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार एवं अन्य विशिष्ट जनों का स्वागत किया। कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का शिलान्यास किया।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

मुविवि नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में सबसे आगे

प्रयागराज | कार्यालय संवाददाता

बोलीं राज्यपाल

- कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के भवन का राज्यपाल ने किया ऑनलाइन शिलान्यास
- ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में उच्च शिक्षामंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी शामिल रहे

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का ऑनलाइन शिलान्यास शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन माध्यम से राजभवन से किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर का भवन बनने के बाद इसके समवर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी। भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन लक्ष्य को 50% तक पहुंचाने के लक्ष्य में मुक्त विश्वविद्यालय अपना दायित्व पूर्ण करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े नगर कानपुर में विश्वविद्यालय का निजी भवन न होने का अभाव खटकता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उक्त भवन के निर्माण के बाद कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हमीरपुर, उन्नाव, फतेहपुर के अध्ययन केंद्रों पर प्रभावी नियंत्रण होगा एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन होगा। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो कि एक सराहनीय कदम है। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन समारोह में विवि की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार का स्वागत किया। संचालन कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शनिवार , 17 अक्टूबर 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08

नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में मुविवि अग्रणी-राज्यपाल

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के भवन का राज्यपाल ने किया ऑनलाइन शिलान्यास

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन

का ऑनलाइन शिलान्यास शुक्रवार को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। इस अवसर पर श्रीमती पटेल ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर का भवन बनने के बाद इसके समवर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी। भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन लक्ष्य को 50: तक पहुंचाने के लक्ष्य में मुक्त विश्वविद्यालय अपना दायित्व पूर्ण करेगा। प्रयागराज और लखनऊ के क्षेत्रीय कार्यालय अपने भवन में संचालित हो रहे हैं तथा क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पूर्णता की ओर है। इसी अनुक्रम में कानपुर क्षेत्रीय कार्यालय जो अब तक किराए के भवन में चल रहा था, उसकी आधारशिला आज रखी जा रही है और यह भवन शीघ्र बनकर तैयार होगा। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड–19 से जूझ रहा है। विश्वविद्यालय ने कोविड–19 के विषय में शिक्षार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य कोविड–19 जागरूकता पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या व्यवसाय प्राप्त करना ही नहीं, अपितु ज्ञान की पिपासा को शांत करना भी हैं। मुक्त विश्वविद्यालय ने इसे चरितार्थ करते हुए हजारों सेवानिवृत्त नागरिकों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि समसामयिक चुनौतियां इन मुद्दों तथा व शक्तियों को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने में अग्रणी रहा है। समसामयिक मुद्दों की चुनौतियों को देखते हुए उसके अनुरूप पाठ्यक्रमों की संरचना एवं श्रीगणेश उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की विशिष्टता है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पठन–पाठन का निर्वाह करते हुए कोविड–19 महामारी के आपदकाल में सामाजिक दायित्व का निर्वाह किया है। श्रमिकों के लिए भोजन पैकेट, मास्क वितरण, गमछा वितरण एवं सफाई का अभियान चलाकर विश्वविद्यालय में समुदाय के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने दायित्व का निर्वाह किया है।

ऑनलाइन शिलान्यास समारोह के विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े नगर कानपुर में विश्वविद्यालय का निजी भवन न होने का अभाव खटकता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उक्त भवन के निर्माण के बाद कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हमीरपुर, उन्नाव, फतेहपुर के अध्ययन केंद्रों पर प्रभावी नियंत्रण होगा एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन होगा। इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय वांछित लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम एवं समर्थ सिद्ध होगा। डॉ शर्मा ने कहा कि न्यूनतम लागत एवं लचीले स्वभाव के कारण दूरस्थ शिक्षा जन सामान्य के बीच लोकप्रियता हासिल कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ने ई–व्याख्यान के माध्यम से शिक्षा के अलग को जगाए रखा है।

इस अवसर पर ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो कि एक सराहनीय कदम है।

इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार एवं अन्य विशिष्ट जनों का स्वागत किया। कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति तथा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का शिलान्यास किया।

Governor of Uttar Pradesh
4m •

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन लखनऊ से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए कहा कि कानपुर में विश्वविद्यालय का अपना क्षेत्रीय कार्यालय भवन बन जाने से उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुविधा हो जायेगी।
राज्यपाल ने कहा कि समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो घरेलू दिनचर्या या व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण कक्षाओं में नियमित अध्ययन नहीं कर सकता, वह मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से गुणात्मक शिक्षा ग्रहण कर सकता है।

Anandiben Patel
1m •

आज राजभवन लखनऊ से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का आनलाइन शिलान्यास करते हुए कहा कि कानपुर में विश्वविद्यालय का अपना क्षेत्रीय कार्यालय भवन बन जाने से उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुविधा हो जायेगी। समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो घरेलू दिनचर्या या व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण कक्षाओं में नियमित अध्ययन नहीं कर सकता, वह मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से गुणात्मक शिक्षा ग्रहण कर सकता है।

स्वतंत्र चेतना // प्रयागराज महानगर //

नये पाठ्यक्रमों को शुरू करने में मुक्त विवि अग्रणी-राज्यपाल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि मुक्त विवि प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के भवन का ऑनलाइन शिलान्यास शुक्रवार को राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने करते हुए कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर का भवन बनने के बाद इसके सीमावर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी। भारत सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में नामांकन लक्ष्य को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने के लक्ष्य में मुक्त विवि अपना दायित्व पूर्ण करेगा। प्रयागराज और लखनऊ के क्षेत्रीय कार्यालय अपने भवन में संचालित हो रहे हैं। क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पूर्णता की ओर है। कानपुर क्षेत्रीय कार्यालय जो अभी तक किराये के भवन में चल रहा था उसकी आधारशीला आज रखी जा रही है। यह भवन शीघ्र बनकर तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है। विवि ने कोविड-19 के विषय में शिक्षार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से कोविड-19 जागरूकता पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या व्यवसाय प्राप्त करना ही नहीं अपितु ज्ञान पीपासा को साथ करना भी है। मुक्त विवि ने हजारों सेवा निवृत्त नागरिकों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। ऑनलाइन शिलान्याय समारोह में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार ने कहा कि मुक्त विवि में महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो सराहनीय कदम है। उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े नगर कानपुर में विवि का निजी भवन न होने का अभाव खटकता रहा। अपने भवन के निर्माण के बाद कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, हमीरपुर उन्नाव, फतेहपुर के अध्ययन केन्द्रों पर प्रभाव नियंत्रण होगा एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन होगा। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने ऑनलाइन शिलान्यास समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार एवं अन्य विशिष्टजनों का स्वागत किया।

स्वतंत्र चेतना // प्रयागराज महानगर //

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि 24 अक्टूबर तक बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि मुक्त विवि में प्रवेश सत्र 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 24 अक्टूबर कर दी गयी है। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने देते हुएका कि कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश ले पाने के कारण प्रवेश तिथि और आगे बढ़ायी गयी है। अध्ययन केन्द्र समन्वयको एवं छात्रों की मांग पर विभिन्न पाठ्क्रमों में प्रवेश की सुविधा लाभ देने के लिए कुलपति प्रो. केएन सिंह ने प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि 24 अक्टूबर तक बढ़ी

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 24 अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 24 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

17 अक्टूबर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा "मिशन शक्तिः महिला सशक्तिकरण में कानून की भूमिका" विषय पर ई–संगोष्ठी आयोजित

भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर, 2020 को महिला सुरक्षा सम्मान एवं स्वालम्बन योजना **"मिशन शक्ति"** शुरू किया जा रहा है। मिशन शक्ति में महिलाओं और बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान व उनके स्वालम्बन के विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूकता के कार्यक्रम शुरू किये जा रहें हैं। यह कार्यक्रम फरवरी 2021 तक चलाया जायेगा। कार्यक्रम के तहत सरकार की विभिन्न योजनाओं जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को लाभान्वित किया जाता है, इसके बारे में जानकारी दी जायेगी व जागरूक किया जायेगा। मिशन शक्ति के माध्यम से जनपदों में विभिन्न जागरूकता एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **"मिशन शक्तिः" महिला शक्तिकरण में कानून की भूमिका विषय पर ई–संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। ई–संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध न्यायविद् मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज।

मिशन शक्ति : महिला सशक्तिकरण में कानून की भूमिका

पर

ई-संगोष्ठी

अध्यक्ष
प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह
माननीय कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त
विश्वविद्यालय,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश

मुख्य वक्ता
न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी
माननीय न्यायाधीश(अवकाश प्राप्त)
उच्च न्यायालय
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

संयोजक
डॉ(श्रीमती) निलिजा शंकर शुक्ल
(निदेशक)
स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा
यू.पी.आर.टी.ओ.यू, प्रयागराज

आयोजन सचिव
डॉ. मीरा पाल
(असिस्टेंट प्रोफेसर)
खाद्य एवं पोषण विज्ञान विभाग
यू.पी.आर.टी.ओ.यू, प्रयागराज

शनिवार, 17 अक्टूबर 2020
पूर्वाह्न 11:00 से अपराह्न 12:00

Meeting ID -8907725991
Meeting password -808080
Meeting link- https://us05web.zoom.us/j/8907725991?pwd=SKJtb0pxY1RtMS90SU5QRG9KK3FHQT09

आयोजनकर्ता : स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा, यू.पी.आर.टी.ओ.यू, प्रयागराज।

ई–व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

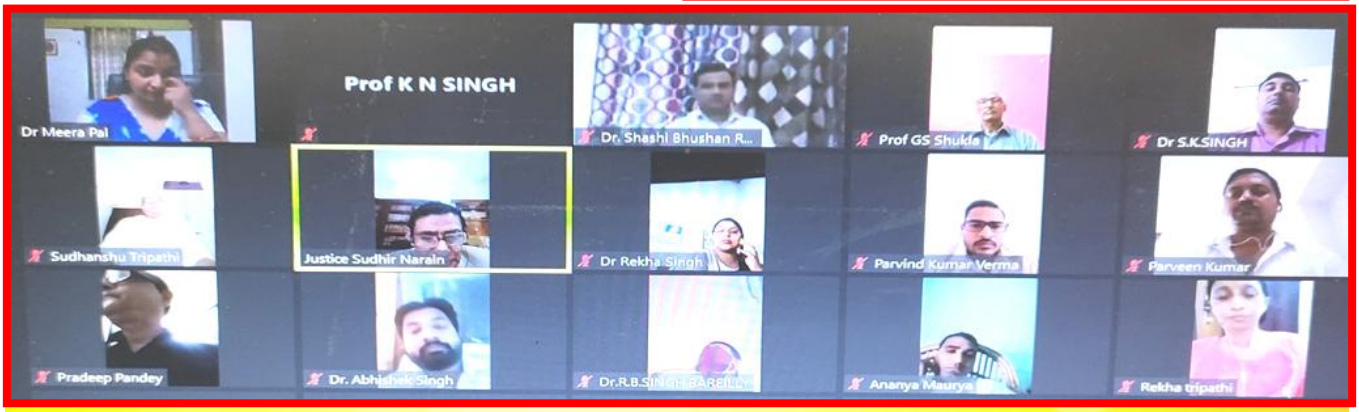

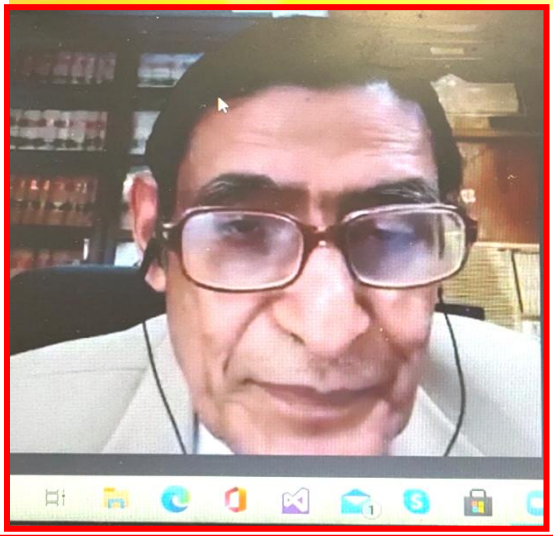

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध न्यायविद् मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी

कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

''मिशन शक्ति :'' महिला शक्तिकरण में कानून की भूमिका विषय पर ई–संगोष्ठी

ई–संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला ने मा0 अतिथियों का स्वागत, परिचय तथा ई–संगोष्ठी के बारे में बताया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। ई–संगोष्ठी का संचालन ए आयोजन सचिव डॉ0 मीरा पाल ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयक तथा परामर्शदाताओं के साथ देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

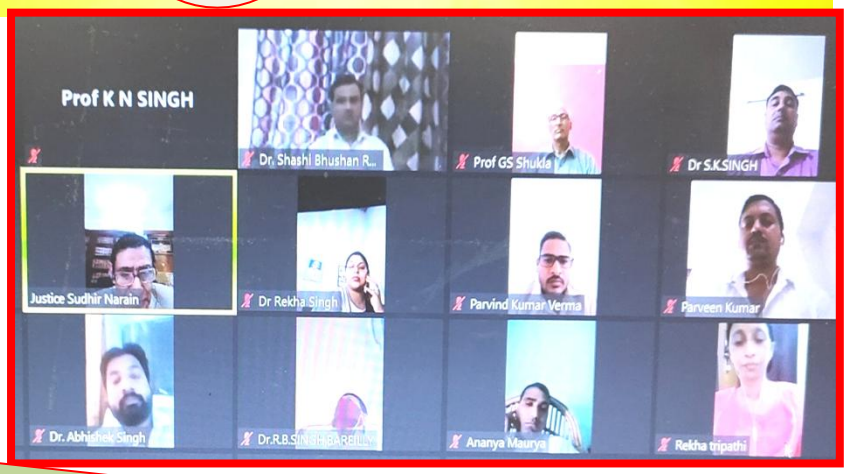

ई–संगोष्ठी का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 मीरा पाल

माननीय अतिथिगण

अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए ई–संगोष्ठी के संयोजक एवं निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने बताया कि समाज में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक मुद्दो पर राजनीति क्षेत्रें में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा महिला सशक्तिकरण के समक्ष जो चुनौतियां हैं, उनका हल करना आवश्यक है। भारत वर्ष में आदिकाल से ही महिलाओं का बहुत सम्मान रहा है और उनको नेतृत्व करने का पूरा अवसर मिला है। महारानी लक्ष्मीबाई, इंदिरा गाँधी, कल्पना चावला से लेकर सुषमा स्वराज एवं अन्य बहुत सारी महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज करायी एवं राष्ट्र को गौरव प्रदान किया।

मुख्य वक्ता का उद्बोधन

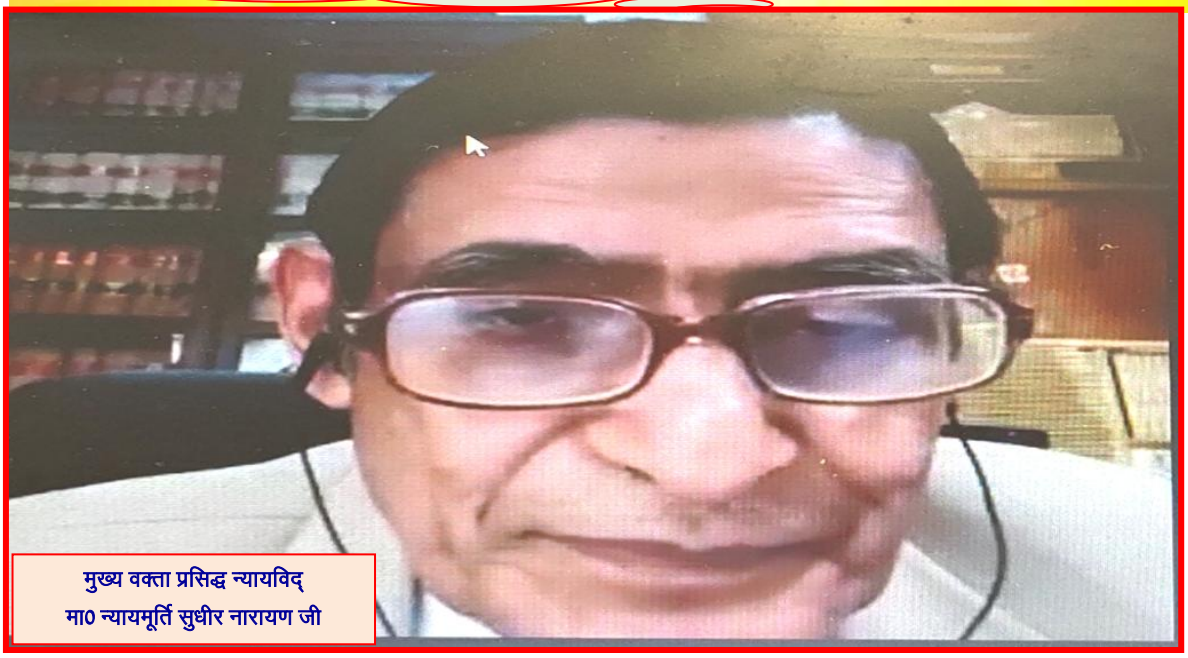

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध न्यायविद्
मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तिकरण: न्यायमूर्ति नारायण

मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा जब उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। महंगाई का सबसे अधिक असर महिलाओं पर पड़ता है क्योंकि उनके पास ऐसा कोई काम नहीं है जिससे कि वह आमदनी कर सकें।महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा उनके हाथ में पैसा आएगा। महिलाओं को ही बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान,उनके पोषण तथा स्कूल भेजने से संबंधित आदि कार्य करने पड़ते हैं।

न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की महिलाओं को उच्च शिक्षा के अवसर अधिक प्राप्त होते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी उच्च शिक्षा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। उन्हें चटाई बनाने तथा सिलाई कढ़ाई आदि कार्यों की और प्रवृत्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज यह जरूरी है कि सभी को रोजगार मिले, अगर शिक्षा नहीं होगी तो कैरियर नहीं बनेगा और कैरियर तभी बनेगा जब कौशल होगा। सरकार को ऐसी योजनाएं बनाई बनानी चाहिए जिसमें महिलाओं का विकास हो। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना सरकार की अच्छी योजना है।

न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि पंचायत एवं नगर निगम में महिलाओं को आरक्षण दिया गया है लेकिन संसद में एक तिहाई आरक्षण का बिल पास नहीं हो पाया। इससे समाज के अंदर महिलाओं द्वारा राजनीतिक निर्णय लेने की शक्ति अधूरी रह गई।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिकार होना चाहिए कि जो नीति का निर्धारण हो उस नीति निर्धारण में उनका अधिकार एक तिहाई या उससे अधिक होना चाहिए। इस दिशा में सरकार अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है । सरकार की नीतियों के निर्णय लेने में महिलाओं का भी हक होना चाहिए।

न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि जब तक महिलाओं के प्रति आदर नहीं होगा उनके प्रति हिंसा को नहीं रोका जा सकेगा आज घरेलू हिंसा के मामले बढ़ते जा रहे हैं और सिर्फ मुकदमे करने से इनका निस्तारण नहीं हो सकता। इसके लिए महिलाओं को सम्मान दिया जाना जरूरी है। लोगों को अपनी मानसिक स्थिति बदलनी पड़ेगी। हर व्यक्ति को महिलाओं के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज में नारी का सम्मान होना ही चाहिए। जयशंकर प्रसाद की उक्ति नारी तुम केवल श्रद्धा हो की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि नारी के प्रति श्रद्धाभाव हर व्यक्ति के मन में होना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

समाज में महिलाओं का सम्मान करें : प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महिलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित जो भी कानून बने हुए हैं उनके प्रति जागरूकता जनसामान्य तक पहुंचनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण का यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा हर जगह महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसमें विशेष रुचि दिखाई है,यह बहुत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि आज नवरात्र का पहला दिन है और यह कालखंड ऐसा है जहां कन्याओं की पूजा होती है। आज का दिन इस विशेष अवसर के लिए चुनना बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जिस तरह से महिला हिंसा के प्रति घटनाओं को प्रचारित किया जा रहा है वह समाज हित में नहीं है और न ही राष्ट्रहित में है। उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार इस मामले में बहुत ही संवेदनशील है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी महिला के साथ किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो। न ही उसका तिरस्कार हो और न ही कोई दुर्व्यवहार करे।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज हम सबका दायित्व बनता है कि समाज में महिलाओं का सम्मान करें। हम सब इसको लेकर सतर्क हैं। महिलाओं के संवर्धन के लिए तरह-तरह के कानून बनाए गए हैं। दहेज उत्पीड़न से लेकर कन्या भ्रूण हत्या तथा घरेलू हिंसा आदि पर तरह-तरह के कानून बनाए गए हैं लेकिन परेशानी यह है कि जागरूकता की कमी के कारण इन सभी कानूनों से महिलाएं अवगत नहीं हो पाती हैं । महिला सशक्तिकरण का यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार ने इसीलिए प्रारंभ किया है कि महिलाओं को उनके अधिकारों से संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भी इसी कड़ी में कानूनी पहलुओं को जागृत करते हुए ई-संगोष्ठी का आयोजन किया।

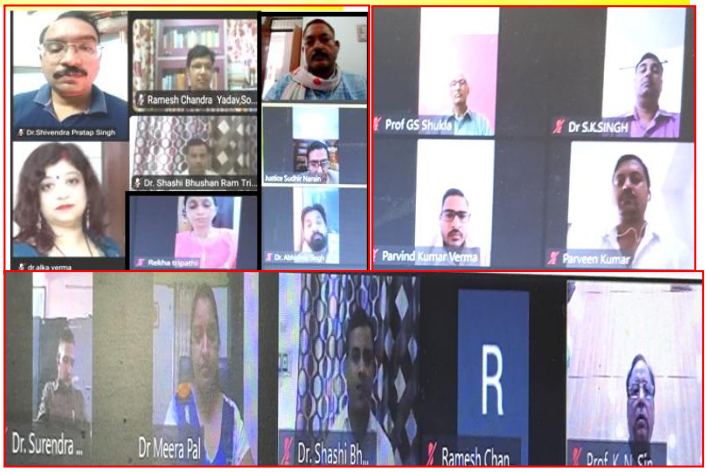

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ई–संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

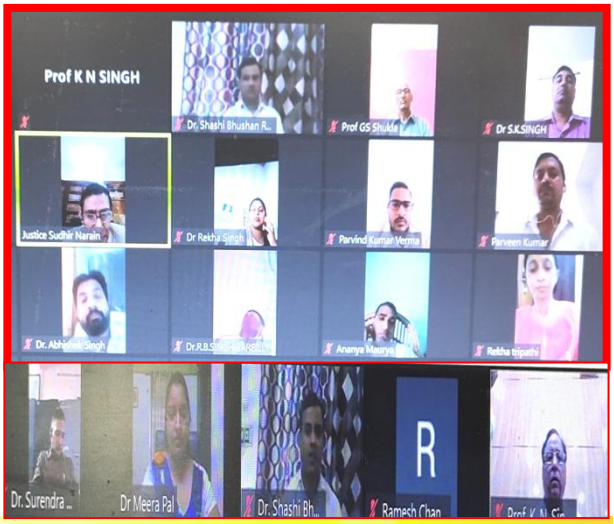

ई–व्याख्यान में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

दैनिक जागरण
4 दैनिक जागरण प्रयागराज, 18 अक्टूबर, 2020 प्रयागराज जागरण www.jagran.com

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तिकरण

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की ओर से शनिवार को 'मिशन शक्ति : महिला सशक्तिकरण में कानून की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट से अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा जब उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को ही बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान, उनके पोषण तथा स्कूल भेजने से संबंधित आदि कार्य करने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की महिलाओं को उच्च शिक्षा के अवसर अधिक प्राप्त होते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी उच्च शिक्षा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। उन्हें चटाई बनाने तथा सिलाई कढ़ाई आदि कार्यों की ओर प्रवृत्त करना चाहिए। इससे समाज के अंदर महिलाओं द्वारा राजनीतिक निर्णय लेने की शक्ति अधूरी रह गई। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिकार होना चाहिए कि जो नीति का निर्धारण हो उस नीति निर्धारण में उनका अधिकार एक तिहाई या उससे अधिक होना चाहिए। इस दिशा में सरकार अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। सरकार की नीतियों के निर्णय लेने में महिलाओं का भी हक होना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महिलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित जो भी कानून बने हुए हैं उनके प्रति जागरूकता जनसामान्य तक पहुंचनी चाहिए। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ. मीरा पाल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर जीएस शुक्ल ने किया।

SUNDAY | 18.10.2020
अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से सशक्त होंगी महिलाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुविवि में मिशन शक्ति के तहत 'महिला सशक्तिकरण में कानून की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा जब वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के मुकाबले शहरी क्षेत्र की महिलाओं को उच्च शिक्षा में अवसर अधिक मिलते हैं। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महिलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित जो भी कानून बने हुए हैं, उनके प्रति जागरूकता जनसामान्य तक पहुंचनी चाहिए। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. गिरजा शंकर शुक्ला ने स्वागत, डॉ. मीरा पाल ने संचालन एवं प्रो. जीएस शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुविवि

राष्ट्रीय सहारा

काम के साथ पढ़ाई करने वालों के लिए मुक्त विवि वरदान : आनंदीबेन

दैनिक भास्कर

नए पाठ्यक्रम शुरू करने में मुविवि अग्रणी: राज्यपाल

आनंदी मेल

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तिकरण : न्यायमूर्ति नारायण

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज महानगर

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तीकरण-न्यायमूर्ति नारायण

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में मिशन शक्ति पर हुई ई-संगोष्ठी

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तिकरण : न्यायमूर्ति नारायण

दैनिक जागरण

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तिकरण

आज

वित्तीय स्थिति मजबूत होने पर होगा महिला सशक्तिकरण-न्यायमूर्ति नारायण

स्वतंत्र भारत

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि २४ अक्टूबर तक बढ़ी

अमर उजाला

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से सशक्त होंगी महिलाएं

दैनिक भास्कर

मुविवि: 24 अक्टूबर तक बढ़ी प्रवेश तिथि

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि में प्रवेश तिथि 24 अक्टूबर तक बढ़ी

@ डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र

3 राजधानी
यूपीएसईई की ऑनलाइन काउंसिलिंग आज से

6 अभिमत
जिन्ना का इतिहास पुनः लिखने की जरूरत

11 विदेश
बाइडेन और हैरिस ने दी नवरात्र की शुभकामनाएं

12 कॅरियर
अत्यावश्यक है उचित मार्गदर्शन

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 3
लखनऊ, सोमवार, 19 अक्टूबर, 2020
पृष्ठ 20 मूल्य ₹ 3
लखनऊ

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

ब्रावो अंतिम ओवर फेंकने के लिए फिट नहीं था: धोनी
स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

वित्तीय स्थिति मजबूत होने से होगा महिला सशक्तीकरणः न्यायमूर्ति नारायण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

● राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने मिशन शक्ति पर ई - संगोष्ठी का किया आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को मिशन शक्तिरू महिला सशक्तिकरण में कानून की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा जब उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। महंगाई का सबसे अधिक असर महिलाओं पर पड़ता है। क्योंकि उनके पास ऐसा कोई काम नहीं है जिससे कि वह आमदनी कर सकें। महिलाओं का सशक्तिकरण तभी होगा उनके हाथ में पैसा आएगा। महिलाओं को ही बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान उनके पोषण तथा स्कूल भेजने से संबंधित आदि कार्य करने पड़ते हैं। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की महिलाओं को उच्च शिक्षा के अवसर अधिक प्राप्त होते हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी उच्च शिक्षा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। उन्हें चटाई बनाने तथा सिलाई कढ़ाई आदि कार्यों की और प्रवृत्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज यह जरूरी है कि सभी को रोजगार मिले अगर शिक्षा नहीं होगी तो कैरियर नहीं बनेगा और कैरियर तभी बनेगा जब कौशल होगा। सरकार को ऐसी योजनाएं बनाई बनानी चाहिए जिसमें महिलाओं का विकास हो। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना सरकार की अच्छी योजना है। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि पंचायत एवं नगर निगम में महिलाओं को आरक्षण दिया गया है। लेकिन संसद में एक तिहाई आरक्षण का बिल पास नहीं हो पाया। इससे समाज के अंदर महिलाओं द्वारा राजनीतिक निर्णय लेने की शक्ति अधूरी रह गई।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिकार होना चाहिए कि जो नीति का निर्धारण हो उस नीति निर्धारण में उनका अधिकार एक तिहाई या उससे अधिक होना चाहिए। इस दिशा में सरकार अब धीरे धीरे आगे बढ़ रही है। सरकार की नीतियों के निर्णय लेने में महिलाओं का भी हक होना चाहिए। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि जब तक महिलाओं के प्रति आदर नहीं होगा उनके प्रति हिंसा को नहीं रोका जा सकेगा आज घरेलू हिंसा के मामले बढ़ते जा रहे हैं और सिर्फ मुकदमे करने से इनका निस्तारण नहीं हो सकता। इसके लिए महिलाओं को सम्मान दिया जाना जरूरी है। लोगों को अपनी मानसिक स्थिति बदलनी पड़ेगी। हर व्यक्ति को महिलाओं के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज में नारी का सम्मान होना ही चाहिए। जयशंकर प्रसाद की उक्ति नारी तुम केवल श्रद्धा हो की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि नारी के प्रति श्रद्धाभाव हर व्यक्ति के मन में होना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महिलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित जो भी कानून बने हुए हैं उनके प्रति जागरूकता जनसामान्य तक पहुंचनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण का यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा हर जगह महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसमें विशेष रुचि दिखाई हैएयह बहुत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि आज नवरात्र का पहला दिन है और यह कालखंड ऐसा है जहां कन्याओं की पूजा होती है। आज का दिन इस विशेष अवसर के लिए चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जिस तरह से महिला हिंसा के प्रति घटनाओं को प्रचारित किया जा रहा है वह समाज हित में नहीं है और न ही राष्ट्रहित में है। उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार इस मामले में बहुत ही संवेदनशील है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी महिला के साथ किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो। न ही उसका तिरस्कार हो और न ही कोई दुर्व्यवहार करे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज हम सबका दायित्व बनता है कि समाज में महिलाओं का सम्मान करें। हम सब इसको लेकर सतर्क हैं। महिलाओं के संवर्धन के लिए तरह तरह के कानून बनाए गए हैं। दहेज उत्पीड़न से लेकर कन्या भ्रूण हत्या तथा घरेलू हिंसा आदि पर तरह.तरह के कानून बनाए गए हैं लेकिन परेशानी यह है कि जागरूकता की कमी के कारण इन सभी कानूनों से महिलाएं अवगत नहीं हो पाती हैं। महिला सशक्तिकरण का यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार ने इसीलिए प्रारंभ किया है कि महिलाओं को उनके अधिकारों से संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भी इसी कड़ी में कानूनी पहलुओं को जागृत करते हुए ई.संगोष्ठी का आयोजन किया। इसके पूर्व संगोष्ठी के संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की महत्ता प्रतिपादित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण आज एक ज्वलंत मुद्दा है। ई संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव डॉक्टर मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने किया।

प्रयागराज, बुधवार
21 अक्टूबर, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20
दैनिक जागरण
www.jagran.com

धीमी शुरुआत कर खिताब जीतने वाले उदाहरणों से भरा है आइपीएल 16 परिवार और गोपीचंद से कोई मतभेद नहीं: सिंधु 16

काउंसिलिंग में छूटे मुविवि के अभ्यर्थियों को दूसरा मौका

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की काउंसिलिंग में किन्हीं कारणों से शामिल न हो पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें 22 अक्टूबर को काउंसिलिंग कराने का दूसरा मौका दिया है।

बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसिलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर को संपन्न हो चुकी प्रथम चरण की काउंसिलिंग में बुलाए गए कुछ अभ्यर्थी नहीं आ सके थे। इसके अलावा कुछ अभ्यर्थियों के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसिलिंग की प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पाए थे। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को सुबह 10 से 12 बजे तक दोबारा काउंसिलिंग के लिए आमंत्रित किया है।

महानगर
वर्ष 24 | अंक 127 | पृष्ठ : 18
अमर उजाला
प्रयागराज
बुधवार, 21 अक्तूबर 2020
amarujala.com
खोले राज
शाहरुख बोले-मुझे नहीं लगता था मैं रोमांटिक हीरो बन सकता हूं...13
उत्तर प्रदेश

काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को मिलेगा एक और मौका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए आयोजित पहले चरण में काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल होने से वंचित रह गए अभ्यर्थियों का एक मौका और दिया गया है। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए 22 अक्तूबर को बुलाया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पीपी दुबे के अनुसार प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से शामिल नहीं हो सके। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अभ्यर्थियों को 22 अक्तूबर को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक काउंसलिंग के लिए एक अन्य अवसर दिया है।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में एमबीए-एमसीए की सूची जारी

24 अक्टूबर तक विवि की वेबसाइट पर नाम देखकर ले सकेंगे प्रवेश

जासं, बरेली : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए योग्य अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। ये अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर अपना नाम देखकर 24 अक्टूबर तक प्रवेश ले सकते हैं।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए के छात्र-छात्राओं के दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होते थे। लेकिन इस बार कोविड-19 की वजह से प्रवेश परीक्षा नहीं कराई गई। उसकी जगह निर्धारित शैक्षिक अर्हता वाले पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश का मौका दिया गया है। इनमें 198 अभ्यर्थी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने 198 ऐसे अभ्यर्थियों की भी सूची जारी की है जिनके दस्तावेज पूरे नहीं थे। उन सभी से दस्तावेज देने के लिए कहा है, ताकि उन्हें भी प्रवेश मिल सके। किसी भी समस्या के लिए अभ्यर्थी क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के मोबाइल नंबर 7525048025 पर संपर्क कर सकते हैं।

पीजी कोर्स और डिप्लोमा में दाखिले की तिथि बढ़ी: विश्वविद्यालय ने बीए, बीएससी, एमए, एमकॉम सहित सभी पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले के लिए तिथि बढ़ा दी है। अब 24 अक्टूबर तक दाखिले लिए जा सकेंगे। अभी तक 15 अक्टूबर अंतिम तिथि थी।

दैनिक भास्कर
गुरुवार, 22 अक्टूबर 2020 लखनऊ

छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

मुविवि में 22 अक्टूबर को होगी बीएड काउंसलिंग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु संपन्न प्रथम चरण की काउंसिलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को काउंसिलिंग कराने का एक मौका दिया जा रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसिलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रो. पीपी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर को संपन्न हो चुकी प्रथम चरण की काउंसिलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। प्रो. दुबे ने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मुविवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10 से 12 बजे तक एक बार पुनः काउंसिलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

जनसंदेश टाइम्स

बीएड काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को मिला मौका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु सम्पन्न प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग के समन्वयक प्रो. पी.पी दुबे ने बताया कि 12, 13 एवं 14 अक्टूबर को सम्पन्न हुए प्रथम चरण की काउंसलिंग में कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, बुधवार , 21 अक्टूबर 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

प्रथम चरण की काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

मुक्त विश्वविद्यालय में 22 अक्टूबर को होगी काउंसलिंग

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020–21 में प्रवेश हेतु संपन्न प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020–21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर 2020 को संपन्न हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10रू00 से 12रू00 बजे तक एक बार पुनः काउंसलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com
हर बात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 273 फतेहपुर, बुधवार, 21 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

प्रथम चरण की काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

मुक्त विश्वविद्यालय में 22 अक्टूबर को होगी बीएड काउंसलिंग

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु संपनन प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर 2020 को संपनन हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक एक बार पुनः काउंसलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 06:07 बजे सूर्यास्त : 05:36 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 309 | प्रयागराज, बुधवार 21 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

प्रथम चरण की काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

मुक्त विश्वविद्यालय में 22 को होगी बीएड काउंसलिंग

वरिष्ठ संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु संपनन्प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यथिन्यों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर को संपनन् हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यथिन्यों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10 से 12 बजे तक एक बार पुनः काउंसलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 22 अक्टूबर, 2020

काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र २०२०-२१ में प्रवेश हेतु संपन्न प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय २२ अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग २०२०-२१ के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया के पूर्व में १२, १३ एवं १४ अक्टूबर २०२० को संपन्न हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, बुधवार 21 अक्टूबर 2020

प्रथम चरण की काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु संपन्न प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है।

बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पीपी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर 2020 को संपन्न हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यर्थियों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10.00 से 12.00 बजे तक एक बार पुनः काउंसलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 13
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 21 अक्टूबर, 2020
जुनून है सच दिखाने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

प्रथम चरण की काउंसलिंग में छूटे अभ्यर्थियों को एक और मौका

मुक्त विश्वविद्यालय में 22 को होगी बीएड काउंसलिंग

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु संपनन प्रथम चरण की काउंसलिंग में कोरोना की विशेष परिस्थितियों के कारण शामिल न हो पाने वाले आमंत्रित अभ्यथिन्यों को विश्वविद्यालय 22 अक्टूबर को काउंसलिंग कराने का एक मौका और दे रहा है।

बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश काउंसलिंग 2020-21 के समन्वयक प्रोफेसर पी पी दुबे ने बताया के पूर्व में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर 2020 को संपनन हो चुकी प्रथम चरण की काउंसलिंग में आमंत्रित कुछ अभ्यर्थी या तो आ नहीं पाए या कुछ के अभिलेख नवीनीकृत न होने के कारण काउंसलिंग नहीं करा पाए। कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी थे, जिनका परीक्षा परिणाम कोरोना के कारण घोषित नहीं हो सका था। जिसके कारण वह भी काउंसलिंग में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इन सभी अभ्यथिन्यों को 22 अक्टूबर को प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक एक बार पुनः काउंसलिंग में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी 22 अक्टूबर को सभी अभिलेखों के साथ निर्धारित समय अवधि में उपस्थित होकर प्रवेश काउंसलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

27 अक्टूबर, 2020

विद्या परिषद् की 64वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की विद्या परिषद् की 64वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 27 अक्टूबर, 2020 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक

बैठक में प्रो० ए.आर. सिद्दीकी विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० आर. के. सिंह, डीन कला संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. एन. के. राना, भूगोल विभाग, डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो. प्रो० चन्द्रशेखर, डीन कला संकाय, डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्रो० डी.के. सिंह, समाजकार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 रुचि बाजपेई, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज बलवन्ता, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे। (कुछ सदस्यगण बैठक में ऑन लाइन प्रतिभाग किये)

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति
प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 26 | अंक : 358
प्रतापगढ़ |बुधवार, 28 अक्टूबर-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन

प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है।

एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 | हिन्दी दैनिक | Email : harbaatfip @gmail.com

हर बात

आपके साथ

वर्ष : 09 | अंक : 280 | फतेहपुर, बुधवार, 28 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निणय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, बुधवार, 28 अक्टूबर 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08

मुक्तविश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020–21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड–19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020–21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

आनंदी मेल

नेक) लखनऊ, बुधवार, 28 अक्टूबर 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठः 8

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

आनंदी मेल संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 208, प्रयागराज, बुधवार 28 अक्टूबर 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

मुक्त विवि में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। कहा कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुक्त विवि ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। कुलपति प्रो.सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है और इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज, बुधवार, 28 अक्टूबर 2020

मुक्त विवि में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। कहा कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुक्त विवि ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। कुलपति प्रो.सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेषार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है और इस बार प्रवेष परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित वैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेष दिया जायेगा।

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad

सहजसत्ता

वर्ष 13 अंक 132
पृष्ठ-8
प्रयागराज
बुधवार, 28 अक्टूबर 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

सत्य की सत्ता को समर्पित

मुक्त विवि में बढ़ी प्रवेश तिथि, 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज(नि.सं)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। कहा कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुक्त विवि ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है। कुलपति प्रो.सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है और इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 06:11 बजे
सूर्यास्त : 05:29 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 315 | प्रयागराज, बुधवार 28 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपए

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निणय्य लिया गया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते है।

अयोध्या

आईना

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2020-21 में स्नातक, परस्नातक, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 31 अक्तूबर कर दी गई है। कुलपति के निर्देश पर इस बार एमबीए एमसीए प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। एमबीए व एमसीए में प्रवेश के लिए पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्तूबर की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते है।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक : 18
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 28 अक्टूबर, 2020

जुनून है सच दिखाने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 तक प्रवेश

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निणय्य लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से

संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नही लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते है।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते है।

अनुराग दर्शन

वर्ष-01 अंक-01 • प्रयागराज, बुधवार 28 अक्टूबर, 2020 • मूल्य-10 रुपए • पृष्ठ-04 • आश्विन शुक्ल पक्ष

मुविवि में अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एमबीए तथा एमसीए में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। अध्ययन केन्द्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 29 अक्टूबर, 2020

मुविवि में प्रवेश तिथि अब ३१ अक्टू.तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई २०२०-२१ के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर ३१ अक्टूबर २०२० कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-१६ के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी ३१अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में ३१अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

Website : talmelexpress.com

तालमेल एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक RNI No.-UPHIN/2017/74507 दमदारी के साथ... आप की बात

वर्ष : 04, अंक : 107 प्रयागराज - बुधवार, 28 अक्टूबर, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express TV

• वर्ष 8 • अंक 220 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 28 अक्टूबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

(विनोद मिश्रा)

प्रयागराज 27 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 202021 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड 19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर

तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 202021 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

संस्करण : प्रयागराज

वर्ष : 07

अंक : 18

पृष्ठ : 8

मूल्य : 1.00

बुधवार, 28 अक्टूबर, 2020

जुनून है सच दिखाने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 तक प्रवेश

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 313अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से

संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददगार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 2020-21 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

31 अक्टूबर, 2020

राष्ट्रीय एकता दिवस

मुविवि में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन

कुलपति ने दिलाई एकता की शपथ

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने गंगा परिसर से सरस्वती परिसर तक राष्ट्रीय एकता दौड़ में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि देश की आजादी में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। भारत को एक राष्ट्र बनाने में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरदार पटेल को स्मरण करते हुये उन्होंने कहा कि आज हमें ऊंच–नीच, अमीर–गरीब तथा जाति पंथ के भेदभावों को समाप्त कर सामाजिक समरसता का वातावरण उत्पन्न करना चाहिये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल
जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ

मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिये स्वयं को समर्पित करूँगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूँगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा सम्भव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आन्तरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर मनाया गया राष्टोय एकता दिवस

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

भारत को एकता के सूत्र में पिरोने वाले लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनकी जयंती ऊत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में मनायी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सोनी स्वर्णकार, अध्ययन केन्द्र एस.229 के समन्वयक डॉ0 नरेंद्र कुमार पांडेय, कर्मचारी पवन कुमार उपाध्याय, संजय सिंह और अजीत राव उपस्थिति रहे। सभी ने पुष्पांजलि कर उनके प्रति अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय किेन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी तथा क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी आदि

राष्ट्रीय एकता दिवस

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर मनाया गया राष्टोय एकता दिवस

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली पर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर राष्टोय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ0 आर0बी0 सिंह, क्षेत्रीय केन्द समन्वयक, बरेली ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राष्टोय एकता दिवस की शपथ ली। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए मा0 अतिथि एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ एवं झाँसी

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए आजमगढ़ क्षेत्रीय केन्द के समन्वयक डॉ0 श्यामदत्त दुबे एवं झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर मनाया गया राष्टोय एकता दिवस

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर क्षेत्रीय कार्यालय आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह एवं सदस्यों ने माल्यार्पण कर शत शत नमन किया।

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए मेरठ क्षेत्रीय केन्द कर्मचारी

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र में आज दिनांक 31 अक्टूबर 2020 को सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर माल्यार्पण किया गया एवं उनके व्यक्तित्व व विचारों को साझा किया गया।

सरदार बल्लभ भई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा एवं कर्मचारीगण